सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 107 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 30 जनवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

जेके सीमेंट प्लांट में बड़ा हादसा, पांच मजदूरों की मौत

पन्ना। एमपी के पन्ना जिले में स्थित जेके सीमेंट प्लांट में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में निर्माणाधीन हिस्से में छत की स्लैब डाली जा रही थी, जहां सैकड़ों मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक भाड़ा (स्कैफोल्डिंग) गिर गया, जिसकी चपेट में आने से 5 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि करीब 50 मजदूर घायल हुए हैं।

कंपनी के सूत्रों ने बताया कि राहत बचाव कार्य किया जा रहा है। मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस बल पहुंच गया। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। एम्बुलेंस भी मौके पर हैं, वहीं गंभीर घायल हुए मजदूरों को कटनी रेफर कर दिया गया है। सुरक्षा को देखते हुए फैक्टरी के अंदर प्रवेश पूरी तरह से रोक दिया गया है। पुलिस और प्रशासन की टीमें मलबे में फंसे मजदूरों को निकालने में जुटी हुई हैं।

बाप ने बेटे के साथ मिलकर पत्नी को मार डाला, आरोपी पकड़ाए

रायपुर। रायपुर में घरेलू विवाद के बाद बांस से पीटकर एक महिला की हत्या हो गई है। हत्या महिला के पति ने ही अपने नाबालिग बेटे के साथ मिलकर की। वारदात के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस ने 3 महीने बाद दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है।

26 अक्टूबर को शाहरुख पाल ने थाना डीडी नगर में सूचना दी कि उसका परिचित डमरू जो महादेवघाट के पास बने खाली दुकान में रहता है। उसने फोन कर बताया उसकी मां सुखवन्तीन की मृत्यु हो गई है। जिसके बाद पुलिस ने घटना स्थल यादव कबाड़ी दुकान के पास रायपुरा जाकर जांच की। मृतका सुखवंतीन धीवर की लाश दीवार के पास जमीन में पड़ी मिली। लाश के पास एक बांस का डंडा पड़ा था। थोड़ी दूर में चुड़ी का टुकड़ा पड़ा हुआ था। मृतका के पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बायें हाथ कोहनी के पास चोट खरोच का निशान, पीठ और उंगली के पास चोट का निशान था। मौत का कारण अंदरूनी चोंटे थी। इस मामले में पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया है।

महाकुंभ में भगदड़, सीजी बॉर्डर पर श्रद्धालुओं को रोका

बलरामपुर। महाकुंभ में मची भगदड़ में करीब 40 लोगों की मौत हो चुकी है। 70 से ज्यादा लोग घायल हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। प्रयागराज में भीड़ और न बढ़े इसलिए उत्तर प्रदेश-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर श्रद्धालुओं को रोक दिया गया है। बुधवार शाम से ही करीब 12 घंटे तक ट्रकों और भारी वाहनों को बसंतपुर से धनवार के बीच रोक दिया गया था, जिससे 15 किलोमीटर लंबा जाम लग रहा। हालांकि यातायात बहाल हो गई है। लेकिन कुंभ के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को रोक दिया गया है।

छत्तीसगढ़ के 10 निगमों में 109 महापौर प्रत्याशी मैदान में, 10 हजार से ज्यादा ने की पार्षद बनने की तैयारी

नगर पालिका व नगर पंचायत में अध्यक्ष बनने 816 लोगों ने दाखिल किया नामांकन, कल नाम वापसी का आखिरी दिन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव का शोरगुल है। प्रदेश के 10 नगर निगमों सहित 49 नगर पालिका परिषद एवं 114 नगर पंचायतों में चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है। 31 जनवरी को नाम वापसी होगी और उसके साथ ही प्रत्याशियों की अंतिम सूची सामने होगी। इससे पहले बात करें नामांकन दाखिले की तो प्रदेश के 10 नगर निगमों में 109 लोगों ने महापौर बनने के लिए नामांकन दाखिल किया है। वहीं नगर पालिका परिषद व नगर पंचायतों में अध्यक्ष बनने के लिए 816 लोगों ने नामांकन भरा है। यही नहीं सभी नगरीय निकायों को मिलाकर कुल 10 हजार 776 अभ्यर्थियों ने पार्षद बनने नामांकन भरा है।

बता दें नगरीय निकाय चुनाव 2025 अंतर्गत राज्य के 10 नगर निगम, 49 नगर पालिका परिषद एवं 114 नगर पंचायतों के लिए चुनाव होना है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा गत 20 जनवरी को निर्वाचन की तारीखों की घोषणा की गई थी। 22 जनवरी को निर्वाचन की सूचना के प्रकाशन के साथ ही नामांकन की प्रक्रिया शुरू की गई और 28 जनवरी 2025 दिन मंगलवार तक नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। अभ्यर्थियों से नाम वापस 31 जनवरी तक ली जा सकती है। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करना, प्रकाशन करना और निर्वाचन प्रतिकों का आबंटन के लिए भी 31 जनवरी 2025 की तिथि निर्धारित की गई है। 11 फरवरी को मतदान तथा 15 फरवरी को मतगणना एवं निर्वाचन परिणामों की घोषणा की जायेगी।

रायपुर, दुर्ग सहित इन 10 नगर निगमों में चुनाव

छत्तीसगढ़ राज्य के 10 नगरपालिक निगम जहां निर्वाचन होना है उसमें नगरपालिक निगम जगदलपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, धमतरी, रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, अंबिकापुर एवं चिरमिरी शामिल है। इसी प्रकार जिला दुर्ग के नगरपालिक निगम भिलाई के वार्ड क्रमांक 24 एवं वार्ड क्रमांक 35, नगर पालिक निगम भिलाई-चरौदा के वार्ड क्र. 32 एवं नगरपालिक निगम रिसाली के वार्ड क्रमांक 34 तथा बस्तर संभाग, जिला सुकमा में नगर पंचायत कोन्टा के वार्ड क्रमांक 13 में उप निर्वाचन संपन्न किया जाएगा।

दुर्ग में चार प्रत्याशियों का नामांकन रद्द

दुर्ग जिले में नगर निगम, नगर पालिका व नगर पंचायत के नामांकन की समीक्षा के दौरान चार वार्डों में पार्षद प्रत्याशियों के नामांकन रद्द किए गए। नगर निगम दुर्ग के महापौर पद हेतु अलका बाघमार (भारतीय जनता पार्टी) और प्रेमलता पोषण साहू (इंडियन नेशनल कांग्रेस) का नामांकन विधिमान्य पाया गया। निगम क्षेत्र अंतर्गत 60 वार्डों में पार्षद पद हेतु प्राप्त 285 नामांकनों में से 281 नामांकन विधिमान्य पाये गये हैं। वार्ड क्रमांक-13, 16, 19 एवं वार्ड 24 के एक-एक प्रत्याशी का नामांकन अस्वीकृत किया गया है। वार्ड क्रमांक-13 से निर्दलीय प्रत्याशी अजित कुमार वैद्य, वार्ड क्रमांक-16 से निर्दलीय प्रत्याशी संदीप शर्मा, वार्ड क्रमांक-19 से भाजपा की तारा टंडन व वार्ड क्रमांक-24 से निर्दलीय शीतल सरवैया नामांकन रद्द किया गया।

भिलाई सहित इन 19 निकायों में 2026 को होंगे चुनाव

छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 192 नगरीय निकाय है, जिनमें से 19 नगरीय निकायों में वर्ष 2026 में चुनाव होना है, जिसमें 04 नगर निगम-नगरपालिक निगम बीरगांव, नगरपालिक निगम भिलाई, नगरपालिक निगम भिलाई-चरौदा तथा नगरपालिक निगम रिसाली शामिल है। इसी प्रकार 05 नगरपालिका परिषद, जिसमें नगरपालिका परिषद सारंगढ़, नगरपालिका परिषद बैकुंठपुर, नगरपालिका परिषद शिवपुरचरचा, नगरपालिका परिषद जामुल एवं नगरपालिका परिषद खैरागढ़ शामिल है। इसी प्रकार 10 नगर पंचायत जिनमें नगर पंचायत बम्हीनीडीह, नगर पंचायत प्रेमनगर, नगर पंचायत शिवनंदनपुर, नगर पंचायत पलारी, नगर पंचायत मारो, नगर पंचायत घुमका, नगर पंचायत कोंटा, नगर पंचायत नरहरपुर, नगर पंचायत भैरमगढ़ तथा नगर पंचायत भोपालपट्टनम शामिल है, जहां 2026 में निर्वाचन कराया जाएगा।

कुम्हारी अहिवारा सहित इन 49 नगर पालिकाओं होंगे चुनाव

इसी प्रकार 49 नगर पलिका परिषदों में अध्यक्ष और पार्षदों का निर्वाचन किया जाना है, जिसमें- बीजापुर, किरन्दुल, बड़ी-बचेली, दंतेवाड़ा, सुकमा, कोण्डागांव, कांकेर, नारायणपुर, कवर्धा, पण्डरिया, कुम्हारी अहिवारा, अमलेश्वर, दल्लीराजहरा, बालोद, बेमेतरा, डोंगरगढ़, महासमुंद बागबाहरा, सरायपाली, तिल्दा-नेवरा, गोबरानवापारा, आरंग, अभनपुर, मंदिर हसौद, गरियाबंद, बलौदाबाजार, भाटापारा, सिमगा, तखतपुर, रतनपुर, बोदरी, गौरेला, पेण्ड्रा, मुंगेली लोरमी, खरसिया, जांजगीर-नैला, चांपा, अकलतरा, सक्ती, दीपिका, कटघोरा, बांकी-मोंगरा, बलरामपुर, रामानुजगंज, सूरजपुर, मनेन्द्रगढ़ और जशपुरनगर शामिल हैं।

दुर्ग निगम के वार्ड 21 में निर्विरोध जीती भाजपा प्रत्याशी विद्यावती सिंह, कांग्रेस प्रत्याशी ने वापस लिया नाम

- **बिलासपुर व कोरबा में भी भाजपा के तीन पार्षद निर्विरोध जीते**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम दुर्ग के चुनाव में मतदान से पहले ही भारतीय जनता पार्टी का खाता खुल गया है। यहां के वार्ड क्रमांक 21 से भाजपा प्रत्याशी विद्यावती सिंह निर्विरोध पार्षद निर्वाचित हो गई हैं। इस वार्ड से कांग्रेस प्रत्याशी मीरा सिंह ने नाम वापसी के दिन अपना नामांकन वापस ले लिया इसकी वजह से भाजपा को सीधी जीत मिल गई। वार्ड नंबर 21 की इस वार्ड से बीजेपी और कांग्रेस के प्रत्याशियों के अलावा किसी ने नामांकन नहीं भरा।

बता दें दुर्ग निगम का वार्ड 21 सामान्य महिला के लिए के आरक्षित था। इस वार्ड से कांग्रेस ने मीरा सिंह को प्रत्याशी बनाया और भाजपा ने विद्यावती सिंह को मैदान में उतारा। 28 को नामांकन पूरा होने के बाद दूसरे दिन से नाम वापसी का दौर शुरू हुआ। गुरुवार को कांग्रेस की मीरा सिंह ने नाम वापस ले लिया जिसके कारण भाजपा प्रत्याशी विद्यावती सिंह निर्विरोध पार्षद निर्वाचित हो गई

बिलासपुर नगर निगम चुनाव के मतदान से पहले ही भाजपा एक पार्षद चुन लिया गया है। वार्ड क्रमांक 13 के कांग्रेस उम्मीदवार ने नामांकन पत्र के साथ जाति प्रमाणपत्र ही प्रस्तुत नहीं किया। जिसके चलते निर्वाचन अधिकारी ने उसका नामांकन निरस्त कर दिया है। इसी प्रकार कोरबा जिले की कटघोरा नगर पालिका परिषद के 2 वार्डों में भाजपा जीत का जश्न मना रही है। वार्ड 13 में भाजपा प्रत्याशी का एकमात्र नामांकन दाखिल हुआ है, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। वहीं वार्ड 18 में कांग्रेस ने नाम वापस ले लिया।

धान खरीदी में गड़बड़ी, बिलासपुर में 82 क्विंटल धान का टोकन निरस्त

- **धान खरीदी में गड़बड़ी पर छत्तीसगढ़ सरकार की बड़ी कार्रवाई, महासमुंद में 62 कट्टा धान जब्त**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी के दौरान लगातार समितियों द्वारा गड़बड़ी की जा रही है। इस पर सरकार ने भी कड़ा रुख अपनाया है और लगातार कार्रवाई भी जारी है। इसी कड़ी में बिलासपुर में गड़बड़ी सामने आने पर 82 क्विंटल से ज्यादा धान का टोकन निरस्त किया गया। वहीं महासमुंद में 62 कट्टा धान जब्त किया गया।

बिलासपुर जिले की संयुक्त टीम ने समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के मामले में गड़बड़ी किए जाने का मामला पकड़ा है। इस पर कार्रवाई करते हुए 82.20 क्विंटल धान का टोकन निरस्त कराने के साथ ही, किसान पोर्टल में दर्ज कृषक के धान रकबे को भी विलोपित करा दिया है। कलेक्टर निर्देशानुसार बिलासपुर जिले के धान उपार्जन केंद्रों में धान की खरीदी, दलालों और कोचियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि बिलासपुर तहसील स्थित महमंद धान उपार्जन केंद्र का आज नायब तहसीलदार द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सेवा सहकारी समिति, महमंद के एक किसान द्वारा कटाए गए 82.20 क्विंटल धान के टोकन के अनुरूप, मौके पर धान की उपलब्धता नहीं पाई गई। इस पर संयुक्त टीम ने तत्काल टोकन निरस्त कर किसान से रकबा समर्पण कराया।

बिना दस्तावेज धान परिवहन पर कार्रवाई

महासमुंद जिले में अवैध धान परिवहन पर प्रशासन की सख्ती जारी है। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशन में अतिरिक्त तहसीलदार बागबाहरा, राजस्व निरीक्षक खल्लारी एवं मंडी सचिव बागबाहरा की संयुक्त टीम ने ग्राम बरबसपुर-भीमखोज-खल्लारी मार्ग पर मालवाहकों की औचक जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान एक वाहन में 62 कट्टा धान लदा हुआ पाया गया। वाहन चालक से दस्तावेज मांगने पर वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। मंडी अधिनियम के तहत इसे धान का अवैध परिवहन मानते हुए धान को जब्त कर खल्लारी समिति को सुपुर्द कर दिया। गौरतलब है कि कृषि उपज के परिवहन के लिए वैध दस्तावेज अनिवार्य हैं। बिना दस्तावेज धान की ढुलाई करना अवैधानिक है।

दुर्ग में सड़क पर खड़ी बस में लगी आग, पल भर में जल कर हुआ खाक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र में बुधवार देर रात खड़ी बस में भीषण आग लग गई। ऐसी आग लगी की देखते ही देखते बस जलकर खाक हो गया। आग की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी गई, जिसके बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है, फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार चिखली के गैरेज में बस रिपेयरिंग के लिए आई हुई थी। यह बस मनीष ट्रेवल्स की बताई जा रही है। बस सड़क किनारे खड़ी थी, जिसमें देर रात भीषण आग लग गई। आग की सूचना लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड को टीम मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया गाय। दमकल कर्मियों ने आग दूसरी गाड़ियों तक फैलने से पहले आग पर काबू पा लिया। आग लगने से पूरी बस जलकर खाक हो गई। अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र सिंह ने बताया कि बस में आग लगाने की सूचना पर दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने का काम शुरू किया।

महिला सुरक्षा को लेकर फिर नई कोशिश

श्रीकंचनपथ

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पूरी दुनिया परेशान है। जितनी कोशिशें होती हैं, अपराध उतने ही बढ़ते चले जाते हैं। इसमें से कई अपराध तो बेहद हिंसक प्रवृत्ति के होते हैं। इन घटनाओं को रोक पाना बेशक संभव न हो पर घटनाओं के बाद दोषियों के खिलाफकार्रवाई को लेकर चुस्ती तो दिखाई ही जा सकती है। अभी आलम यह है कि पीड़िता पहले सही थाने तक पहुंचने के लिए चक्कर काटती है। इस कोशिश में वह कई लोगों के सम्पर्क में आती है। कई बातें एफआईआर में दर्ज होने से पहले ही सोशल मीडिया में आ जाती हैं। सही थाने में पहुंचने के बाद वह दिन भर बैठकर थानेदार के आने का इंतजार करती है। इस बीच उससे पूरी जानकारी लेकर पुलिस ही आरोपी पक्ष को सूचना दे देती है। आरोपी स्वयं या उसके आदमी भी थाने पहुंच जाते हैं। इसके बाद अधिकांश मामले जबरिया थाने के बाहर ही निपटा दिये जाते हैं। किसी मामले में एफआईआर दर्ज हो भी गया तो उसकी जांच खत्म होने का नाम ही नहीं लेती। इस स्थिति से निपटने का एक रास्ता सुप्रीम कोर्ट ने सुझाया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह सुझाव एक सवाल के रूप में दिया है। महिला सुरक्षा के लिए गाइड लाइंस जारी करने की मांग वाली एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र से पूछा है कि महिलाओं को अपनी शिकायतें दर्ज कराने के लिए पुलिस स्टेशनों का चक्कर काटने की क्या जरूरत है। इसके लिए कोई ऑनलाइन सिस्टम क्यों नहीं है। महिलाओं की शिकायतें और आवेदन ऑनलाइन होने पर एक केन्द्रीय एजेंसी इसे प्राप्त कर सकती है। वह इसकी जांच संबंधित थाने को सौंप सकती है। एजेंसी शिकायतकर्ता को संबंधित थाना और जांच अधिकारी की जानकारी साझा कर सकती है। इससे क्षेत्राधिकार को लेकर होने वाली समस्या का स्वतः समाधान हो जाएगा। ऑनलाइन शिकायत तुरंत दर्ज हो जाएगी जिसमें हीला हवाला की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। केस अलॉट होने के बाद यह संबंधित थाने की जिम्मेदारी होगी कि वह आरोपों की पुष्टि करे। ऐसा मान लेने में कोई हर्ज नहीं कि सही पाए जाने पर पुलिस मामले में त्वरित कार्रवाई करे और गलत पाए जाने पर शिकायकर्ता के खिलाफ कार्रवाई प्रस्तावित करे। ऐसा इसलिए भी जरूरी है कि अब महिलाओं की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों का सदुपयोग से कहीं ज्यादा दुरुपयोग हो रहा है। ऐसा इसलिए भी कि अब चतुर सुजान पारिवारिक, व्यावसायिक और राजनीतिक खुन्नस निकालने के लिए भी महिलाओं का जमकर इस्तेमाल करने लगे हैं। एक और समस्या है पुलिस बल में कमी की। शिकायतें दर्ज होने के बाद भी तत्काल उसकी जांच शुरू हो जाएगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है। इसके वाजिब कारण भी हैं। ऑनलाइन शिकायत पेटी खुल जाने के बाद मामलों में तेजी से इजाफा होगा। ऊपर से दर्ज अपराधों को लेकर पुलिस और प्रशासन का रिपोर्ट कार्ड जारी करने की संस्कृति भी समस्या पैदा करेगी।

संपादकीय

अति नफरत से होता है अति नुकसान

किसी तरह की अति हो उससे नुकसान ही होता है। इसलिए कहा जाता है कि अति से बचना चाहिए। हमारी संस्कृति में मध्य मार्ग को ही श्रेष्ठ कहा जाता है। मध्य मार्ग मतलब है कि न बहुत कम, न बहुत ज्यादा,समुचित ही ठीक है । न इधर न उधर मध्य ही ठीक है। चाहे आदमी अति करे, चाहे परिवार अति करे, चाहे कोई संगठन या राजनीतिक दल अति करे तो उसका नुकसान जरूर होता है। कोई किसी से अति प्यार करता है तो अति नुकसान होता है, कोई किसी से अति नफरत करता है तो भी अति नुकसान होता है।

> *अति मतलब नुकसान तो होना ही है। क्योंकि जब आदमी अति नफरत करता है तो उसे अपना लाभ व हानि नहीं दिखाई है,अपने लाभ हानि की वह सोचता नहीं है। वह जिससे अति नफरत करता है, उसके हानि की ही सोचता है। उसका एकमात्र लक्ष्य उसे नुकसान पहुंचाना होता है, उसका एकमात्र मकसद उसे नुकसान पहुंचाना होता है, उसे किसी तरह का नुकसान पहुंचता है तो नफरत करने वाले को बहुत सुकून मिलता है। उसे बहुत अच्छा लगता है, उसे लगता है उसे महाविजय मिल गई है। वह जीत गया है, उसे बड़ी जीत मिल गई है।*

राहुल गांधी कांग्रेस के ऐसे सबसे बड़े नेता हैं जो पीएम मोदी, भाजपा व आरएसएस से नफरत करते हैं। वह इनमें सबसे ज्यादा नफरत पीएम मोदी से करते हैं।पिछले दस साल से उनका एकमात्र लक्ष्य पीएम मोदी को राजनीतिक रूप नुकसान पहुंचाना है। इस चक्कर में वह अपनी राजनीतिक पार्टी के लाभ व हानि के विषय में सोचना भूल गए हैं। कहते हैं कि अति नफरत किसी से हो जाए तो आदमी अंधा हो जाता है, उसे अपना लाभ हानि दिखाई नहीं देता है, वह अपने लाभ हानि के बार सोचना भूल जाता है, वह यही सोचता रहता है कि जिससे वह सबसे ज्यादा नफरत करता है,उसे कैसे हानि हो सकती है,उसे कैसे नुकसान पहुंचाया जा सकता है।

राहुल गांधी अति नफरत के कारण पीएम मोदी को हर चुनाव में हारते हुए देखना चाहते हैं, वह खुद नहीं हरा पाते हैं और दूसरा कोई हराता है तो भी वह खुश हो जाते हैं। कई राज्यो में राहुल गांधी की इसी सोच के कारण कि कांग्रेस नहीं तो दूसरे दल तो पीएम मोदी को हरा रहे हैं, वह उन राज्यों में कांग्रेस को मजबूत करने कुछ सोच नहीं रहे है, कुछ कर नहीं रहे हैं और कई राज्यों में कांग्रेस तीसरे स्थान पर है। कोई भी पार्टी तीसरे स्थान पर रहती है तो इसका मतलब होता है कि वह सत्तारूढ़ पार्टी का विकल्प नहीं है, क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी का विकल्प तो दूसरे नंबर पर रहता है।

दिल्ली में भी कांग्रेस तीसरे स्थान पर है। यानी दिल्ली में भी कांग्रेस सत्ता की दावेदार नहीं है। जबकि केजरीवाल ने दिल्ली की सत्ता 15 साल पहले कांग्रेस से छीनी थी। यहां कांग्रेस को इस आधार पर दूसरे स्थान पर होना चाहिए, उसे सत्ता का दावेदार होना चाहिए, उसे सत्ता पाने के लिए चुनाव लड़ना चाहिए। लेकिन कांग्रेस शुरू में तो मजबूती से चुनाव लड़ती दिखाई दी लेकिन अब जब मतदान में कुछ दिन बचे हैं तो उसके बड़े नेताओं के दिल्ली चुनाव में जमकर प्रचार न करने से माना जा रहा है कि वह चुनाव मजबूती से नहीं लड़ना चाहती है, क्योंकि उसे यह बात समझ में आ गई है कि वह मजबूती से लड़ेगी से दिल्ली चुनाव में फायदा भाजपा को होगा, केजरीवाल हार जाएगा और पीएम मोदी जीत जाएंगे।

राहुल गांधी को यह तो मंजूर है कि दिल्ली में फिर केजरीवाल जीत जाए लेकिन.यह मंजूर नहीं है कि कांग्रेस के कारण भाजपा और पीएम मोदी जीत जाएं। राहुल गांधी पीएम मोदी से अति नफरत करते हैं, उतनी नफरत वह केजरीवाल से नहीं करते हैं यही वजह है कि वह केजरीवाल को जिताने के लिए अपनी पार्टी के चुनाव लड़ रहे नेताओं को भगवान भरोसे छोड़ दिया है, उनके लिए जमकर प्रचार नहीं कर रहे हैं, राहुल गांधी तो दिल्ली चुनाव में जमकर प्रचार नहीं कर रहे हैं, प्रियंका व कांग्रेस अध्यक्ष भी आकर प्रचार नहीं कर रहे हैं। इसलिए माना जा रहा है कि राहुल गांधी चाहते हैं कि दिल्ली में भले ही कांग्रेस और कमजोर हो जाए, चुनाव भाजपा और पीएम मोदी को नहीं जीतना चाहिए।

राहुल गांधी पीएम मोदी से अति नफरत के कारण दिल्ली ही नहीं कई राज्यों में कांग्रेस के लाभ हानि के बारे सोच ही नहीं रहे है, इससे कई राज्यों में कांग्रेस बहुत कमजोर हो गई है, इतनी कमजोर हो गई है जितनी वह कभी नहीं थी। क्षेत्रीय दल मजबूत हो गए हैं और कमजोर कांग्रेस को वही करना पड़ रहा है जो क्षेत्रीय दल कहते हैं। यही हाल उसका दिल्ली में भी होने वाला है। यहां राहुल गांधी के कारण केजरीवाल जीतते हैं तो कमजोर कांग्रेस यहां और कमजोर हो जाएगी। भाजपा यहां दूसरे नंबर पर रहेगी जनता जब भी केजरीवाल को बदलना चाहेगी तो वह कमजोर कांग्रेस की जगह मजबूत भाजपा को ही चुनना पसंद करेगी।

सु-विचार है परमात्मा

अगर आपका कुछ तोड़ने का मन करे
तो मेरा गुरुर तोड़ देना..
अगर आपका कुछ जलाने का मन करे
तो मेरा क्रोध जला देना..

आखिर कौन लागू करवाएगा दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता?

कमलेश पांडे

दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में चीनी दबदबे को नियंत्रित करने के लिए एक आदर्श आचार संहिता लागू करने की मांग सही है, लेकिन वहां पर इसे लागू कौन करवाएगा, इस बात का उत्तर भारत समेत विभिन्न आसियान देशों के पास नहीं है। ये तो सिर्फ वकालत कर रहे हैं कि दक्षिण चीन सागर ऐसा होना चाहिए। जबकि चीन अपनी हठधर्मिता के चलते सैन्य कार्रवाई करने पर उतारू है। इसी दृष्टि से वह लगातार अपनी तैयारी पुख्ता करता जा रहा है। लेकिन उसे रोकने में संयुक्त राष्ट्र संघ भी यहां असहाय प्रतीत हो रहा है।

देखा जाए तो चाहे चीन विरोधी अमेरिका हो या चीन समर्थक रूस या फिर इनके-इनके समर्थक विभिन्न विकसित और विकासशील देश, सबकी नीति इस मामले में अभी तक ढुलमुल ही रही है। इसलिए भारत की भूमिका इस मामले में भी अहम और निर्णायक बताई जा रही है। क्योंकि भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के विभिन्न देशों के बहुत पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध भी हैं। वहीं, वैश्विक दुनियादारी में चीन को संतुलित रखने के लिए भी भारत और आसियान देशों को एक-दूसरे की जरूरत है। इसलिए आशियान देशों के साथ भारत की निकटता जगजाहिर है।

समझा जाता है कि भारत ही अमेरिका और रूस दोनों देशों पर दबाव डालकर आसियान देशों के दक्षिण चीन सागर सम्बन्धी दूरगामी हितों की रक्षा कर सकता है। जानकारों की मानें तो चीन की विस्तारवादी नीति से न केवल भारत बल्कि आशियान देशों के विभिन्न हित प्रभावित हो रहे हैं। उधर, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की चिंता भी किसी से छिपी हुई नहीं है। हालांकि, इन देशों में अमेरिका के बाद भारत ही एक ऐसा मुल्क है जो चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षा को नियंत्रित कर सकता है। इसी नजरिए से क्वाड देशों में भी भारत की भागीदारी प्रमुख है। इधर भारत-चीन सम्बन्धों में भी 'तू डाल-डाल, मैं पात-पात' वाली कहावत चरितार्थ होती है। यही वजह है कि गत 25-26 जनवरी 2025 को भारत ने चीन के खिलाफ एक और बड़ी चाल चलते हुए, दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता लागू करने का आह्वान किया है। वहीं, इसके दूरगामी वैश्विक मायने को समझते हुए इंडोनेशिया जैसे प्रभावशाली देश ने भी भारत का साथ दिया है। उल्लेखनीय है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के 76वें गणतंत्र समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। इसी दौरान हुई विभिन्न बैठकों के क्रम में उपर्युक्त आशय की सहमति बनी है।

दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत के बीच भारत और इंडोनेशिया ने प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार इस क्षेत्र में ''पूर्ण और प्रभावी'' आचार संहिता लागू करने की वकालत की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के बीच गत शनिवार को हुई व्यापक बातचीत में दक्षिण चीन सागर की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा हुई। इस बैठक में दोनों पक्षों ने भारत के हिंद महासागर क्षेत्र स्थित सूचना संलयन केंद्र (इन्फॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर) में इंडोनेशिया से एक संपर्क अधिकारी तैनात करने पर सहमति व्यक्त की।

बता दें कि भारतीय नौसेना ने समान विचारधारा वाले देशों के साथ सहयोगात्मक ढांचे के तहत जहाजों की आवाजाही के साथ-साथ क्षेत्र में अन्य महत्वपूर्ण विकास पर नजर रखने के लिए वर्ष 2018 में गुरुग्राम में इन्फॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर की स्थापना की थी। चूंकि आसियान देश भी दक्षिण चीन सागर पर एक बाध्यकारी आचार संहिता पर जोर दे रहे हैं, क्योंकि चीन द्वारा इस क्षेत्र पर अपने व्यापक दावों को स्थापित करने के लगातार प्रयास जारी हैं। वहीं, इस मुद्दे पर भारत की अगुवाई में चल रहे कीप एंड बैलेंस की नीति पर चीन का बौखलाना स्वाभाविक है।बीजिंग इस प्रस्तावित आचार संहिता का कड़ा विरोध करता रहा है। वह पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपनी संप्रभुता का दावा करता है, जो हाइड्रोकार्बन का एक बड़ा स्त्रोत है। जबकि, वियतनाम, फिलीपींस और ब्रुनेई सहित कई आसियान सदस्य देशों ने चीन के इस दावे पर आपत्ति जताई है।

गौरतलब है कि एक ओर दक्षिण चीन सागर में जहां चीन अपनी सैन्य ताकत में निरंतर इजाफा करने में जुटा हुआ है, जिससे आसपास के छोटे देश भयभीत हैं। वहीं अब भारत ने चीन के खिलाफ अपनी चाल चलते हुए दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता लागू करने का आह्वान किया है। सुकून की बात यह है कि भारत को इस मुद्दे पर इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश का भी साथ मिल गया है। जबकि दूसरी तरफ चीन इस क्षेत्र में आचार संहिता का खुलकर विरोध करता है। इसलिए दक्षिण चीन सागर से जुड़े हुए विभिन्न प्रभावित देशों के साथ-साथ भारत और अमेरिका की चिंताएं स्वाभाविक हैं। बता दें कि अक्टूबर 2024 में भी जब पीएम मोदी ने ईस्ट एशिया सम्मेलन में हिस्सा लिया तो उन्होंने चीन पर इस बाबत निशाना साधा था। इससे एक दिन पहले आसियान-भारत सालाना सम्मेलन में भी उन्होंने चीन की तरफ इशारा करते हुए हिंद प्रशांत क्षेत्र और साउथ चाईना सी को लेकर जो सारी बातें कहीं, वह इस क्षेत्र में आक्रामक रवैया अपना रहे चीन को नागवार गुजर सकती है।

तब पीएम मोदी ने आसियान-भारत सालाना सम्मेलन में दक्षिण पूर्वी एशियाई क्षेत्र के देशों के भौगोलिक संप्रभुता को समर्थन देकर चीन की तरफ इशारा किया था। वहीं, ईस्ट एशिया सम्मेलन में भी उन्होंने हिंद प्रशांत क्षेत्र और साउथ चाईना सी को लेकर दो टूक चिंताएं जताई। मोदी ने समूचे हिंद प्रशांत क्षेत्र को कानून सम्मत बनाते हुए यहां की समुद्री गतिविधियों को संयुक्त राष्ट्र के संबंधित कानून (अनक्लोस) से तय होने की मांग की और साउथ चाईना सी के संदर्भ में एक ठोस व प्रभावी आचार संहिता बनाने की भी बात कही। बता दें कि आसियान के सभी दस सदस्य देश भी इसकी मांग कर रहे हैं।

वहीं, एक दिन पहले चीन के प्रधानमंत्री ली शियांग के साथ बैठक में आसियान नेताओं ने इन मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया था। इसके साथ ही भारतीय प्रधानमंत्री ने दुनिया के दूसरे क्षेत्रों में चल रहे तनाव के संदर्भ में कहा, 'विश्व के अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का सबसे नकारात्मक प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर हो रहा है। सभी चाहते हैं कि चाहे यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया, जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली हो।' तब पीएम मोदी ने यहां तक कहा था, 'मैं बुद्ध की धरती से आता हूं और मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान रणभूमि से नहीं, बल्कि सकारात्मक रणनीति से निकल सकता है। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का आदर करना आवश्यक है। वहीं, मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए, डायलॉग और कूटनीति को भी प्रमुखता देनी होगी। विश्वबंधु के दायित्व को निभाते हुए, भारत इस दिशा में हर संभव योगदान करता रहेगा।' तब मोदी ने आतंकवाद को भी वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती बताते हुए मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। बता दें कि इस सालाना आसियान सम्मेलन में शामिल सभी नेताओं में सबसे ज्यादा बार (नौ बार) पीएम मोदी ने ही हिस्सा लिया है। यह आसियान के मामलों में भारत की बढ़ती भूमिका को भी बताता है।

वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत रविवार की शाम इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के सम्मान में डिनर आयोजित किया। इस दौरान इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कुछ ऐसा कहा, जिसे सुनकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सभी गणमान्य लोग खिलखिलाकर हंस पड़े। दरअसल, इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने भारत और इंडोनेशिया के बीच प्राचीन संबंधों की बात कहते हुए कहा कि हमारी भाषा के कई अहम शब्द संस्कृत भाषा से आते हैं।

बकौल इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, 'भारत और इंडोनेशिया के आपसी संबंधों का इतिहास बेहद पुराना है। दोनों देशों की सभ्यताओं में भी गहरा जुड़ाव रहा है, यहां तक कि हमारी भाषा के कई अहम शब्द संस्कृत भाषा के हैं। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी प्राचीन भारतीय सभ्यता का प्रभाव है। यहां तक कि हमारे जीन्स यानी डीएनए में भी समानता है।' इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने यहां तक कहा कि 'कुछ हफ्ते पहले ही मैंने अपनी जेनेटिक्स सीक्वेंसिंग और डीएनए टेस्ट कराया। मुझे बताया गया कि मेरा डीएनए भारतीय है। सभी जानते हैं कि जैसे ही मैं भारतीय संगीत सुनता हूं, तभी मैं थिरकना शुरू कर देता हूं।'

वहीं, मासूमियत पूर्वक सुबियांटो ने आगे कहा कि मुझे यहां (भारत) आने पर गर्व है। मैं कोई खांटी राजनेता नहीं हूं, न ही अच्छा कूटनीतिकार हूं, मैं जो भी कहता हूं, दिल से कहता हूं। मुझे यहां आए हुए कुछ ही दिन हुए हैं, लेकिन मैंने पीएम मोदी के नेतृत्व और उनके समर्पण से काफी कुछ सीखा है। उनका गरीबी को दूर करने और कमजोर वर्ग की मदद करने के लिए जो समर्पण है, वह हमारे लिए प्रेरणा है।' इंडोनेशिया ने भारत की समृद्धि, शांति के लिए कामना की और उम्मीद जताई कि भारत और इंडोनेशिया के संबंध आगे भी मजबूत होते रहेंगे।

यही वजह है कि मोदी और सुबियांटो ने भारत-इंडोनेशिया के आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर भी चर्चा की। ताकि मजबूती पूर्वक दोनों देश अपने अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे को आगे बढ़ा सकें। इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय लेन-देन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग के लिए पिछले वर्ष हुए समझौता ज्ञापन के शीघ्र कार्यान्वयन के महत्व पर भी बल दिया। उनका मानना है कि द्विपक्षीय लेन-देन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग से व्यापार को और बढ़ावा मिलेगा और दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच वित्तीय एकीकरण गहरा होगा।

वहीं, मोदी और सुबियांटो ने आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा करते हुए भारत-इंडोनेशिया आतंकवाद विरोधी सहयोग बढ़ाने का संकल्प दोहराया और बिना किसी ''दोहरे मापदंड'' के इस खतरे से निपटने के लिए ठोस वैश्विक प्रयासों का आह्वान किया। दोनों नेताओं ने सभी देशों से संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनके सहयोगियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने का आह्वान किया।

इससे स्पष्ट है कि देर सबेर भारत, चीन पर दबाव बढ़ाने की अपनी रणनीति में कामयाब रहेगा। क्योंकि इस मसले पर उसे अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान के अलावा आसियान देशों का भी साथ मिल रहा है। चूंकि रूस भारत का मित्र देश है, इसलिए उसकी तटस्थता भी भारत के लिए मायने रखेगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

महाकुंभ स्नान में भी राजनीति

अवधेश कुमार

महाकुंभ में बड़ा-छोटा कोई भी व्यक्ति स्नान करने जाए वह सामान्यतः चर्चा का विषय नहीं होना चाहिए। यह हमारी सनातन परंपरा में हर व्यक्ति का स्वाभाविक दायित्व है। किंतु पहले योगी आदित्यनाथ सरकार की पूरी कैबिनेट का एक साथ संगम में स्नान करना अनेक कारणों से चर्चा और विमर्श का विषय बना। उसके बाद जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव स्नान करने गए तो संपूर्ण मीडिया की दृष्टि उनकी ओर गई। स्नान करती उनकी तस्वीरें और छोटे वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई या की गई।

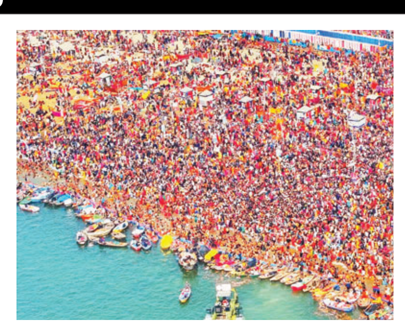

मकर संक्रांति को हरिद्वार गंगा में स्नान की उनकी तस्वीरें भी इसी तरह वायरल हुई थी। हालांकि उसमें स्नान से ज्यादा सोशल मीडिया पर उनके शरीर सौष्ठव की ज्यादा चर्चा हुई। जब योगी आदित्यनाथ सहित संपूर्ण मंत्रिमंडल ने एक साथ संगम में डुबकी लगाई मां गंगा, यमुना और सरस्वती की पूजा की तथा उसके बाद मुख्यमंत्री के साथ दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक साथ पूजा कर रहे थे तब भी वीडियो और तस्वीरें वायरल हुई। उस समय अखिलेश ने महाकुंभ पर राजनीति न करने की प्रतिक्रिया दी। यानी उन्होंने यह संदेश दिया कि भाजपा के मंत्री और नेता महाकुंभ पर राजनीति कर रहे हैं जो ठीक नहीं है। हालांकि उनके स्नान पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने सधी प्रतिक्रिया में कहा कि 'देर आयद दुरुस्त आयद', अखिलेश यादव जी महाकुंभ में पवित्र स्नान किया और उम्मीद है कि अब वह आस्था पर चोट नहीं पहुंचाएंगे।

अखिलेश जी को भाजपा के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्रियों मंत्रियों और नेताओं के कुंभ स्नान में राजनीति दिखाई दी तो स्वाभाविक है कि उनके स्नान में भी राजनीति देखी जाएगी। हालांकि स्नान के बाद उन्होंने भाजपा को सहनशील होने की सलाह दी तथा 11 डुबकियों के बारे में उनके एक्स हैंडल पर कुछ अच्छी पंक्तियां लिखी हुई थी। उन्होंने गंगा, यमुना और सरस्वती को साथ मिलकर चलने की प्रेरणा देने वाला भी बताया। क्या वाकई अखिलेश जी के स्नान को इन्हीं सद्भाव, सामाजिक एकता और धार्मिक भावनाओं की परिधि के अंदर मान लिया जाएगा? दरअसल, केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने हिन्दुत्व, धार्मिक आस्था, धर्मस्थलों, कर्मकांडों से लेकर इनसे जुड़े विषयों पर जैसी प्रखरता और सुस्पष्टता दिखाई है उसका असर चारों ओर है।

महाकुंभ में निहित हिन्दुत्व की व्यापकता, विशालता, सर्व सामूहिकता तथा भारत की महान अध्यात्म , संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं, सामाजिक- पंथीय-एकता के भावों को संपूर्ण विश्व में प्रचारित-प्रसारित करने और दिखाने की रणनीति अपनाई है उनसे राजनीति अप्रभावित रहे ऐसा संभव नहीं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार किसी सरकार के संपूर्ण मंत्रिमंडल ने महाकुंभ स्नान और वहीं मंत्रिमंडल का बैठक की। महाकुंभ की पूर्व तैयारी में जैसी सक्रियता मुख्यमंत्री एवं दोनों उप मुख्यमंत्रियों तथा अनेक मंत्रियों के दिखाई उसका भी संदेश था और लोगों ने माना कि इस तरह किसी सरकार ने करने की कोशिश नहीं की। अखिलेश जी के कार्यकाल में 2013 में हुए महाकुंभ में मुख्यमंत्री और सरकार की भूमिका से वर्तमान सरकार की व्यवस्थाओं, दोनों के आचरणों आदि की तुलना हो रही है।

वैसे तो 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद से हिन्दुत्व, धर्म, भारतीयता आदि के संदर्भ में धीरे-धीरे माहौल बदला है और जिन मुद्दों पर बोलने तक से बचते थे, पूजा-पाठ व कर्मकांड को दिखाने तक में संकोच करते थे वो सब वर्जनायें लगभग ध्वस्त हुई हैं। सौभाग्य भारत की चेतना इन आधारों पर बहुत कुछ निर्धारित करने लगी है जिसमें राजनीति भी है। अखिलेश यादव जी ने जब महाकुंभ में कैबिनेट की बैठक को गलत बताया तो लोगों की सामान्य प्रतिक्रियाएं उनके विरु द्ध थीं। अगर संपूर्ण भारत के जिलों तक का प्रतिनिधित्व प्रयागराज महाकुंभ में है, उत्तर प्रदेश के कोने-कोने लोग आ रहे हैं, देश और विश्व भर के सनातन धर्म के साधु-संत-संन्यासी, विचारक, संस्कृतिकर्मी, पुजारी वहां प्रवचन, कर्मकांड आदि करते हुए विश्व कल्याण के भाव से साधना कर रहे हों, विचार-विमर्श हो रहा हो तो कैबिनेट की बैठक स्वाभाविक रूप से वही होनी चाहिए। सरकार जनप्रतिनिधि है तो यह अवसर है जनता के मनोभाव के साथ खड़े होने और काम करने की निष्ठा प्रदर्शित करने का। ऐसे सकारात्मक जन भावों के साथ एकता दिखाना भी सरकारों और राजनीति का दायित्व होना चाहिए। आज तक की राजनीति सेक्यूलरलाद की झूठी अवधारणा के कारण इनसे भागती रही है। इसी भाव से अखिलेश जी की नकारात्मक प्रतिक्रिया आई। सच महाकुंभ आरंभ के पहले से ही उनकी और पार्टी की प्रतिक्रियाएं नकारात्मक रहीं।

विपक्ष के नाते सपा को सरकार की कमियों, महाकुंभ में अगर जनता को समस्याएं व असुविधाएं हैं, नौकरशाही, कर्मचारी, ठेकेदारों के कार्य में कहीं कोताही है तो उन्हें उठाना या मुद्दा बनाना बिल्कुल स्वाभाविक है। विपक्ष के नाते यह उसकी भूमिका भी है। पर विपक्ष की इतनी ही भूमिका नहीं हो सकती। आपकी महाकुंभ में वैसी ही आस्था है जैसी अखिलेश जी ने स्नान करके प्रदर्शित की तो यह पहले से भी कई रूपों में दिखनी चाहिए थी। क्या सपा की कोई भूमिका महाकुंभ में है? कम-से-कम सपा जगह-जगह महाकुंभ में आए लोगों के स्वागत के कुछ बैनर भी लगा देती तो लगता कि वाकई कुंभ के प्रति उसकी आस्था है। 2013 के महाकुंभ को याद करिये, तो आपको भाजपा के बैनर तस्वीरें मिलेंगी। संघ विचार परिवार के अनेक संगठनों ने जगह-जगह सेवा के कैंप लगाए थे। इसलिए भाजपा सरकार कुछ कर रही है तो उसकी अतीत से वर्तमान तक सुसंगति है।

आप चाहे कुछ भी करिए, योगी सरकार और भाजपा को अलग से कुछ साबित करने या प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं है। इस मौलिक अंतर को समझना पड़ेगा। राजनीति इतनी नैतिक और पवित्र हो, सनातन के प्रति स्वाभाविक रूप से आस्थावान होकर राजनीतिक रणनीति बनाएं और काम करें तभी भारत, मानवता और विश्व का वास्तविक मंगल होगा और यह किसी दृष्टि से सेक्यूलर विरोधी नहीं होगा। अभी तक की गलत धारणा और स्वयं को हिन्दू कहने में संकोच, व्यक्तिगत स्तर पर पूजा-पाठ, पर सार्वजनिक स्तर पर इसे दिखाने से परहेज करने का स्वभाव ध्यान रखें तो जो हो रहा है उसे आसानी से समझ सकते हैं।

(ये लेखक के विचार हैं)

दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू

दरअसल, दिल्ली विधानसभा चुनाव, गठन के बाद से ही बेहद अलग, दिलचस्प और इतर राजनीतिक पहचान को लेकर चर्चित रहे हैं। यह सही है कि मौजूदा सरकार के सुप्रीमो केजरीवाल जैसी मुफ्त की रेवड़ियों का वादा सभी पार्टियां और राज्य न केवल करने लगे हैं बल्कि पूरा भी करते हैं। ऐसे में इस बार के चुनाव वाकई दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू जैसे होंगे। इतना है कि इस बार मुकाबला न केवल कांटे का बल्कि त्रिकोणीय सा बनता जा रहा है, लेकिन यह भी सच है कि सरकार किसी की बने लुभावनी योजनाओं का अंबार होगा। इससे दिल्ली की कितनी तकदीर बदलेगी यही देखने लायक होगा।

दिल्ली का चुनावी सफर भी दिलचस्प है। 1952 में पहली बार राज्य विधानसभा का गठन हुआ तब 48 सीटें थीं। कांग्रेस ने 36 सीटों पर जबरदस्त जीत दर्ज की। 34 वर्ष के चौधरी ब्रह्म प्रकाश मुख्यमंत्री बने जो नेहरू जी की पसंद थे। दरअसल, कांग्रेस देशबंधु गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना चाह रही थी, लेकिन एक हादसे में उनकी मृत्यु के चलते ब्रह्म प्रकाश एक्सीडेण्टल मुख्यमंत्री बने। बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रेवाड़ी के निवासी ब्रम्ह प्रकाश कभी भी मुख्यमंत्री आवास में नहीं रहे। इस बीच काफी कुछ बदला। 1993 में भाजपा बहुमत में आई। मदन लाल खुराना मुख्यमंत्री बने और 1956 के बाद दिल्ली को कोई मुख्यमंत्री मिला, लेकिन 5 साल में 3 मुख्यमंत्री बदले गए। खुराना को घोटाले के आरोपों के चलते कुर्सी छोड़नी पड़ी फिर साहिब सिंह वर्मा आए और महंगाई के मुद्दे पर ऐसे घिरे कि उन्हें भी इस्तीफा देना पड़ा। इनके बाद सुषमा स्वराज को कमान मिली जो महज 52 दिन मुख्यमंत्री रहीं। 1998 के चुनाव में भाजपा ने सुषमा स्वराज को तो कांग्रेस ने शीला दीक्षित को आगे किया। कांग्रेस की जीत हुई और शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनीं। दिल्ली में फ्लाई ओवरों का जाल, मेट्रो रेल का विस्तार, डीजल की जगह सीएनजी के उपयोग को बढ़ावा और हरियाली पर खास ध्यान सहित दूसरे काम उनकी पहचान बने। 1998 से 2013 तक तीन बार लगातार दिल्ली की सत्ता पर कांग्रेस और शीला दीक्षित काबिज रहीं। इस बीच 2011 में जन लोकपाल विधेयक की मांग पर दिल्ली में अन्ना आंदोलन हुआ।

अप्रैल में 5 दिन का आमरण अनशन और दोबारा 16 अगस्त से फिर अनशन बैठते ही देश भर में आंदोलनों की दस्तक हुई। आखिर संसद में बिल पास हुआ और देखते-देखते अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, आतिशी और कई चेहरे भारतीय राजनीति के नये हीरो बन गए। आम आदमी पार्टी ने 2013 का दिल्ली चुनाव लड़ा और 15 वर्षों से काबिज कांग्रेस सरकार गिरा दी। 70 सीटों में भाजपा ने 32 जीती फिर भी बहुमत से दूर रही। आम आदमी पार्टी 28 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस की 7 सीटों के समर्थन से सरकार बनाने में कामियाब रही और अन्ना आंदोलन से उपजे केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने, मगर आप और कांग्रेस की नहीं निभी। 49 दिन में सरकार गिर गई और राष्ट्रपति शासन लग गया। 2015 में फिर चुनाव हुए। इसमें दिल वालों की दिल्ली ने केजरीवाल पर अपनी उम्मीदों की बख्शीश खूब लुटाई। 70 में से 67 रिकॉर्ड सीटें जीतकर केजरीवाल भारतीय राजनीति के नये सितारे बन गए। भाजपा केवल 3 सीटें तो कांग्रेस खाता भी नहीं खोल पाई।

केजरीवाल भी अपनी तमाम घोषणाओं पर अमल करते रहे। नतीजन 2020 में एक बार आम फिर आदमी पार्टी ने 62 सीटें तो भाजपा 8 से आगे नहीं बढ़ पाई। कांग्रेस शून्य पर ही रही। लुभावनी योजनाओं का असर दिखा। आप को फिर बहुमत मिला और केजरीवाल मुख्यमंत्री बने। इसके बाद विवादों में घिरे, जेल गए और मुख्यमंत्री पद छोड़ा। अब दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भले हैं लेकिन पार्टी सुप्रीमो केजरीवाल ही हैं। बेहतरीन सरकारी स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक, महिलाओं को मुफ्त बस सुविधा, 200 यूनिट बिजली फ्री, 20 हजार लीटर मुफ्त पानी, बुजुर्गों का मुफ्त तीर्थ दर्शन जैसी अन्य योजनाओं के साथ नई-नई घोषणाएं करते केजरीवाल तो 1998 से 2013 तक के कार्यकाल को दिल्ली का स्वर्णिम काल बता कांग्रेस असली विकास और उपलब्धियां गिनाते नहीं थकती, आगे तमाम मुफ्त योजनाओं से भी परहेज करते नहीं दिखती।

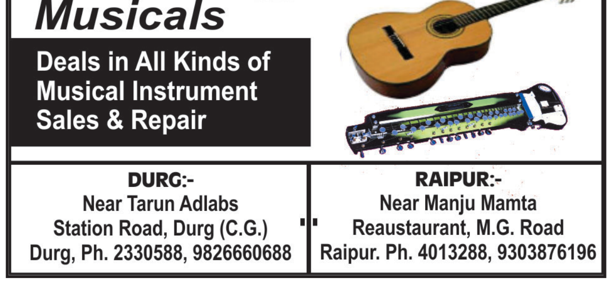

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क – शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

चुनाव डयूटी से पूर्व निगम के अधिकारी कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया

भिलाई। नगरीय निकाय, नगर पंचायत एवं नगर परिषद चुनाव होना है। नगर निगम भिलाई के अधिकारियो एवं कर्मचारियों की निर्वाचन करवाने के लिए डयूटी लगायी जा रही है। निर्वाचन करवाने, निर्वाचन सामग्री, सामान वितरण करने, सामान वापस करनवाने, मतगणना करवाने, मतगणना के बाद मत पेटियो को वापस जमा करने, निर्वाचन दल को मतदान केन्द्र तक छोड़ने एवं वापस लाने आदि के लिए सेवा लिया जाना है। आज 210 से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारियो का पूरा हेल्थ चेकप करवाया गया। बी.पी., सुगर, आदि का जांच सर्दी खासी, पेट दर्द आदि पूरा चेकप किया गया। दवा वितरण भी किया गया। प्रमुख रूप से आज निगम में 2 मोबाईल मेडिकट यूनिट की बस लगाई गई थी। जिसमें 210 अधिकारी, कर्मचारियो ने अपना ईलाज करवाया, 124 का लैब टेस्ट हुआ, 113 को दवा वितरण किया गया। महिला कर्मचारी 142, पुरूष कर्मचारी 68 लोगों का स्वास्थ्य चेकप कर दवा वितरण किया गया। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय स्वयं अपना बी.पी., सुगर, खून की जांच करवाये। इसके साथ ही अधिकारी/कर्मचारी, सफाई कर्मी, मजदूर आदि सब जांच करवाये। बहुत से कर्मचारी पहली बार सब कुछ जांच करवाये। उन्हे पता ही नहीं है कि उनको भी तकलीफहो रहा है। इलाज से ठीक हो जायेगा, कुछ डर रहे थे कि बीमारी पता चल जायेगा। सब की मांग थी कि मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत प्रत्येक माह गाड़ी बुलवाकर मजूदरो, स्वास्थ्य कर्मियो एवं कर्मचारियो के स्वास्थ्य की जांच हो। जिससे सब स्वस्थ रहे और अच्छे से निगम हित में अपना कार्य कर सकें।

जाबो कार्यक्रम अंतर्गत लगातार चलाये जा रहे है मतदाता जागरूकता अभियान

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार नगरीय निकाय/त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 अंतर्गत जाबो कार्यक्रम के तहत जिले के नगरीय एवं ग्रामीण निकायों में लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चलाये जा रहे है। मतदाताओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनकी सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करने महिलाओं ने रंगोली, ग्राम स्तर पर रैली निकाली और मोर मतदान-मोर अधिकार के नारे लगाए। विद्यालयीन विद्यार्थियों ने भी मानव श्रृंखला बनाकर मतदान का संदेश दिया। नागरिकों ने स्वयं भी शत् प्रतिशत् मनदान की शपथ ली और मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित किया।

बीएसपी में 100 टन क्षमता वाले नए रोड वेब्रिज का कार्यपालक निदेशक प्रभारी ने किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के इंस्ट्रूमेंटेशन एवं वेमेंट विभाग ने हाल ही में 100 टन क्षमता वाले पिट–लेस रोड वेब्रिज की स्थापना का कार्य पूरा किया है। नवनिर्मित वेब्रिज का उद्घाटन 28 जनवरी 2025 को कार्यपालक निदेशक प्रभारी अंजनी कुमार द्वारा मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तुषार कांत, मुख्य महाप्रबंधक सुशील कुमार, मुख्य महाप्रबंधक टी के कृष्णकुमार, मुख्य महाप्रबंधक अनूप दत्ता, मुख्य महाप्रबंधक राजीव पांडे, मुख्य महाप्रबंधक रवि शंकर, महाप्रबंधक प्रभारी गोपीनाथ मलिक तथा संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

उल्लेखनीय है कि 100 टन क्षमता वाले पिट–लेस रोड वेब्रिज की स्थापना 50 टन क्षमता वाले पिट टाइप वेब्रिज के स्थान पर की गयी है, जिसकी कार्यक्षमता क्षीण हो चुकी थी। पिछले कुछ वर्षों से पुराने वेब्रिज की संरचना कमजोर होने और वजन करने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स के पुराने हो जाने के कारण बार–बार डाउनटाइम का सामना करना पड़ रहा था। प्रबंधन ने 2022 में एक नए वेब्रिज की स्थापना के परियोजना को मंजूरी दी थी, जुलाई 2023 में इसका काम शुरू हुआ और अक्टूबर 2024 में पूरा हुआ। नए वेब्रिज की आपूर्ति मेसर्स एक्मे ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा की गई थी, जबकि सिविल कार्य मेसर्स आर्यन बिल्डर्स के माध्यम से सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा निष्पादित किया गया।

उल्लेखनीय है कि पुराना वेब्रिज केवल भरे हुए ट्रकों का वजन करने में ही सक्षम था, जबकि नया वेब्रिज अधिक क्षमता और प्लेटफॉर्म आकार का होने के कारण लोड किए गए ट्रेलरों के वजन मापने में भी सक्षम है। साथ ही वजन करने के लिए सेंसर आधारित वाहन पोजिशनिंग, कैमरा आधारित स्वचालित नंबर प्लेट रीडिंग आदि जैसी कई नई विशेषताएं इस नए वेब्रिज में उपलब्ध है जिसके प्रयोग से न केवल त्वरित और सटीक वजन करना संभव होगा बल्कि संयंत्र के अंदर भारी वाहनों की आवाजाही को भी सुगमता प्राप्त होगी।

वेब्रिज की स्थापना का कार्य विभागाध्यक्ष व महाप्रबंधक बी मधु पिल्लई के मार्गदर्षन में आई एंड डब्लू विभाग के अधिकारियों रजनीष जैन, टी डी जॉनसन, जी एल मारकंडे तथा श्री जयंत अग्रवाल द्वारा किया गया। पूर्व मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी असित साहा और मुख्य महाप्रबंधक रविशंकर ने निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए नियमित अनुवर्ती कार्रवाई और आवष्यक दिषा–निर्देष प्रदान किया।

पिट–लेस वेब्रिज के लिए विनिर्देश ईडीडी विभाग द्वारा तैयार किया गया है। संचार नेटवर्क और चालान के लिए वजन संबंधी डेटा को शामिल करने का काम ए एंड डी विभाग द्वारा किया गया है वहीं दूरसंचार विभाग ने वेब्रिज संचालन की कैमरा आधारित निगरानी प्रदान की है। सी एंड आईटी विभाग ने वजन के लिए वाहन की आवाजाही पर नजर रखने के लिए वीटीएस प्रणाली की स्थापना हेतु सहयोग प्रदान किया। इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करने में पावर सिस्टम, सीईडी, एमआरडी, टी एंड डी और मैकेनिकल सेवाएं विभाग ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

नराकास, भिलाई-दुर्ग की हीरक जयंती छमाही बैठक का रंगारंग आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई–दुर्ग' की 'हीरक जयंती' छमाही बैठक 28 जनवरी 2025 को सिविक सेन्टर स्थित 'भिलाई निवास' के 'बहुउद्देशीय सभागार' में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि सहायक निदेशक, एवं कार्यालयाध्यक्ष, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय भोपाल, हरीश सिंह चैहान थे। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई–दुर्ग अनिर्बान दासगुप्ता ने अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार उपस्थित थे।

सर्वप्रथम अतिथिगण ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महाप्रबंधक भि.इ.सं. अमूल्य प्रियदर्शी ने शॉल, श्रीफल एवं किताब भेंटकर अतिथिगण का स्वागत किया। मुख्य अतिथि हरीश सिंह चैहान ने नराकास, भिलाई–दुर्ग की सराहना करते हुए कहा कि, नराकास, भिलाई–दुर्ग ने आरंभ से ही लगातार प्रशंसनीय कार्य किये हैं। यही कारण है कि इसे पूर्व में भी राष्ट्रीय स्तर के कीर्ति पुरस्कार एवं मध्य क्षेत्रीय अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उत्कृष्टता का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने 'हीरक जयंती कवि सम्मेलन- 2025' तथा 'हीरक जयंती क्विज–2025' की प्रशंसा की और कवियों तथा क्विज के विजेताओं को बधाइयाँ देते हुए दोनों ही कार्यक्रमों को हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए अत्यंत लाभकारी व उपयोगी निरूपित किया।

अध्यक्ष, अनिर्बान दासगुप्ता ने नराकास, भिलाई–दुर्ग परिवार को पुरस्कार प्राप्ति के लिए बधाई देते हुए कहा कि ये पुरस्कार आप सबकी हिंदी के प्रति अनुराग, निष्ठा तथा समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी सदस्य संस्थानों के प्रयासों से 'नराकास, भिलाई–दुर्ग' भविष्य में भी नूतन उपलब्धियाँ, स्वर्णिम सफलताएँ एवं पुरस्कार अर्जित करने में अवश्य ही सफल होगा।

विशिष्ट अतिथि पवन कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि, नराकास ने हीरक जयंती बैठक के रूप में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर पार कर लिया है। आज यह संकल्प लेने का अवसर है कि, हम सब अपने–अपने कार्यक्षेत्रों में उत्कृष्टता एवं श्रेष्ठता सहित राजभाषा हिंदी में कार्यालयीन कामकाज के प्रति और भी अधिक समर्पित हों।

स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाप्रबंधक (संपर्क व प्रशासन, जनसंपर्क एवं प्रभारी राजभाषा) भि.इ.सं. तथा सचिव नराकास, भिलाई–दुर्ग सौमिक डे ने कहा कि नराकास, भिलाई–दुर्ग को वर्ष 2023–24 के लिए प्राप्त मध्य क्षेत्र का पुरस्कार 'नराकास राजभाषा सम्मान' प्रथम स्थान समस्त सदस्य संस्थानों के हिंदी में कार्यालयीन कार्यों तथा सांविधिक प्रावधानों के अनुपालन का ही पारितोषिक है, जिसमें हरीश सिंह चैहान, सहायक निदेशक एवं कार्यालयाध्यक्ष, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य) भोपाल के बहुमूल्य निर्देशों एवं मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान है।

बैठक की कार्यवाही में सर्वप्रथम विगत बैठक का अनुपालन प्रतिवेदन एवं आगत तिमाही के लिए कार्यसूची का वाचन किया गया, जिसके अनुमोदन के साथ बैठक संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के मंत्रालय राजभाषा विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक प्रत्येक छः माह में आयोजित की जाती है।

बिटिया परी के जन्मदिन को यादगार बनाने पापा हर साल आयोजित करते है रक्तदान शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एक पिता का अपनी बेटी को लेकर प्यार ऐसा कि हर साल बिटिया परी के जन्मदिवस को यादगार बनाने और सामाजिक सरोकार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पिता के द्वारा रक्तदान शिविर लगवाया जाता है। सिकलिंग, थैलेसीमिया पीड़ित मरीज–बच्चों को रक्त की नियमित आवश्यकता एवं ईलाज के दौरान रक्त की कमी होने से रक्त का अभाव न हो इसी उद्देश्य से सेवाभवी तृपेश शर्मा की इकलौती पुत्री कु, तनीषी शर्मा (परी) के 13 वां जन्मदिवस 25 जनवरी 2025 को दुर्ग जिला ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आयोजित विशेष रक्तदान शिविर में प्रातः 09 बजे से शाम 06 बजे तक रक्तदान होता रहा। श्री तृपेश के परिवार जनों ने भी रक्तदान किया। मित्रगण, व्यपारी वर्ग, विभागीय अधिकारी व कर्मचारियों को भी रक्तदान के लिये प्रेरित कर रक्तदान करवाया गया। रक्तदान शिविर में समर्पित परिश्रमी सामाजिक समिति 'दिशा' छ.ग. प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ, दुर्ग, चेम्बर ऑफ कॉमर्स, श्री जलाराम रिसायकल्स दुर्ग, सेव इंडियन फेमली, नव दृष्टि फाउडेशन, दर्ग भिलाई मोबाईल एसोसिएशन, दुर्ग दवा विक्रेता संघ एवं दुर्ग भिलाई के रक्तदाताओं ने रक्तदान कर कुल 202 यूनिट रक्तदान किया।

शहीदों को दी गई श्रद्धांजली, निगम कमिश्नर व अधिकारी कर्मचारियो ने 2 मिनट का मौन रखा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। देश के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में 30 जनवरी को शहीद दिवस मनाया गया।कलेक्टर / निगम प्रशासक ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश पर आज नगर पालिक निगम मुख्यालय एवं हिंदी भवन के सामने महात्मा गांधी जी की प्रतिमा में श्रद्धांजली दी गई और उनकी स्मृति तथा सम्मान में सुबह 11 बजे दो मिनट का मौन धारण किया गया। निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल,उपायुक्त मोहेंद्र साहू,कार्यपालन अभियंता मोहन पुरी गोस्वामी,दिनेश नेताम,आरके जैन,जितेंद्र समैया,

वीपी मिश्रा,गिरीश दीवान,संजय ठाकुर, सुरेश केवलानी,आरके बोरकर,थानसिंह यादव, धर्मेंद्र मिश्रा,संजय मिश्रा,अनिल सिंह,ईश्वर वर्मा, शशिकांत यादव,शोएब अहमद के अलावा अधिकारी–कर्मचारी सहित आमजनों ने दो मिनट का मौन धारण किया।

नेत्र जांच और चश्मा वितरण शिविर का आयोजन, 678 ग्रामीण लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के रावघाट परियोजना के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत बीएसएफ 129 बटालियन एवं छत्तीसगढ़ पुलिस, रावघाट थाना के सहयोग से दिनाँक 28 जनवरी 2025 को एक वृहद नेत्र जाँच एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। षिविर में सामान्य चिकित्सा हेतु डॉक्टर उपलब्ध रहे। रावघाट क्षेत्र के कुल 678 लोगों ने इस शिविर में सम्मिलित होकर चिकित्सकीय लाभ लिया, जिसमें से 415 नेत्र रोगी और 263 सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोग थे। मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श के पश्चात निःशुल्क दवाई वितरित की गई। इस चिकित्सा शिविर में भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक अरुण कुमार तथा महाप्रबंधक एस पी मंडावी ने उपस्थित होकर ग्रामीणों से मुलाकात की। साथ ही बीएसएफ 129 बटालियन के कमांडेंट भी अपनी टीम के साथ इस शिविर को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

गौरतलब है कि सुदूर वनांचल में स्थित रावघाट क्षेत्र चिकित्सा और अन्य सुविधाओं से वंचित था, भिलाई इस्पात संयंत्र ने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्वों गतिविधियों के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निरन्तर प्रयास किया। संयंत्र अपने आस–पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की निःषुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देष्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सकीय सुविधा पहुंचाना है।

दिल्ली का दिल जीता रिखी और उनकी टीम ने, छत्तीसगढ़ी नृत्यों से बांधा समां

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रख्यात लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय और उनके समूह ने राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस समारोह नई दिल्ली में लोकनृत्यों के माध्यम से छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक दिखलाई। 24 जनवरी से 27 जनवरी तक राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस समारोह और भारत पर्व में रिखी व उनके समूह ने वहां अपनी शानदार प्रस्तुतियां दी।

जिसमें देश–विदेश के अतिविशिष्ट मेहमानों के साथ–साथ आम जनता के समक्ष आदिवासी नृत्य––गौर शिकार नृत्य, बैगा करमा नृत्य,ठिसकी नृत्य, माड़ी करमा नृत्य एवं मांदरी नृत्य बस्तर, कवर्धा जिला, सरगुजा जिला दंतेवाडा जिला, कांकेर जिला आदि के आदिवासियों के लोक नृत्यों की प्रस्तुति दी गई। छत्तीसगढ के बारामासी गीत नृत्य एवं झांकी की प्रस्तुति भी इन कलाकारों ने दी।

सभी कलाकारों को दर्शक दीर्घा में मौजूद विशिष्ट व आमजन की भरपूर तारीफमिली। इस समूह में रिखी क्षत्रिय के साथ कुलदीप सार्वा, पारस रजक, संजीव बैस, प्रदीप ठाकुर, नवीन कुमार, प्रमोद ठाकुर, भीमेश सतनामी, राम कुमार पाटिल, डोरेलाल साहू, उग्रसेन डेडाड, राजेश साहू, वेद प्रकाश देवांगन, सुनील, शिवम सेन,वेन कुमार साहू, जयलक्ष्मी ठाकुर, लीना ध्रुव, तुलेश्वरी डोंडे, नेहा देवांगन, प्रियंक साहू, हेमा डोंडे, ओमेश्वरी साहू, गीतांजलि साहू और चंचल जांगड़े शामिल थे।

जानवरो, गायों में बीमारी व दुर्घटना रोकने हम सब निभायें अपनी ज़िम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के शहरी कांजी हाउस में, बाजार, वार्डो, गली मोहल्लो, सड़को पर बैठने वाले जानवरो को पकड़कर कांजी हाउस में रखा जाता है। उनके खाने के लिए चारे, पानी व दवाई की व्यवस्था भी किया जाता है। कांजी हाउस में जानवरो की देखभाल भी किया जाता है। उसके लिए बीमार पड़ जाने पर डाक्टर की भी व्यवस्था किया जाता है। प्रायः देखा जाता है कि गायों के बीमार होने का कारण दूध निकाल कर जानवरो को खूला छोड़ देना , वह जानवर झिल्ली, पालीथीन में रखे भोजन, सब्जी, खादय सामग्री खा लेते है। अधिकतर जानवर खाने के साथ झिल्ली, पालीथीन भी खा लेते है, इससे उनका पेट फूल जाता है। नाक से पानी आता है, पाचन खराब हो जाता है, जिसके कारण बीमार हो जाते है। अकसर देखा जाता है, कि गोबर के साथ फेंकी हुई झिल्ली भी निकलता है। उससे जानवर को बहुत तकलीफहोता है, वह निरीह प्राणी बोल नहीं सकता है। अकसर हम सब देखते है, सड़क के किनारे बीमार, पेट फूला, नाक से पानी गिराते जानवर बैठे रहते है, इससे बचाव के लिए निगम प्रशासन और जागरूक नागरिकों को मिलकर काम करने की ज़रूरत है ।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि नगर निगम भिलाई द्वारा ' नो प्लास्टिक कैंपेन' चलाकर सार्वजनिक स्थानों को पॉलीथिन मुक्त किया जाएगा। यह अभियान जागरूक नागरिको की सहभागिता के बिना संभव नहीं है ।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributors For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

खुले में बिक रहे मांस-मटन पर प्रतिबंध लगाने की मांग

रायपुर। राजधानी सहित प्रदेशभर में खुले में बिक रहे मांस, मछली और मुर्गी की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग जीवजंतु कल्याण बोर्ड के मानद प्रतिनिधि और मनोहर गौशाला के खैरागढ़ ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन (पदम डाकलिया) ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से की है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है।

पत्र में उन्होंने उल्लेख किया कि छत्तीसगढ़ की बड़ी आबादी शाकाहारी जीवनशैली का पालन करती है। खुले में मांस, मछली और मुर्गी की बिक्री न केवल उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं को आहत करती है, बल्कि उनके संवैधानिक अधिकारों का भी उल्लंघन करती है। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जिसमें उनकी जीवनशैली और आहार विकल्प का सम्मान भी शामिल है।

इसके अतिरिक्त, इन पदार्थों की खुले में बिक्री से सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता पर गंभीर खतरे उत्पन्न हो रहे हैं। अस्वच्छ वातावरण में इन उत्पादों की बिक्री न केवल बीमारियों और संक्रमणों के प्रसार का कारण बनती है, बल्कि यह खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का भी उल्लंघन करती है, जो भोजन को स्वच्छ और सुरक्षित रखने पर जोर देता है। उन्होंने प्रदेश में मांस, मछली और मुर्गी की खुली बिक्री पर शीघ्र प्रतिबंध लगाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग मुख्यमंत्री से की है।

प्रकाशचंद चोपड़ा बने पं. रविवि की कार्यपरिषद के सदस्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रख्यात समाजसेवी एवं वरिष्ठ सिविल इंजीनियर प्रकाशचंद चोपड़ा को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर की कार्यपरिषद का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के आदेशानुसार की गई है। प्रकाशचंद चोपड़ा एक प्रतिष्ठित समाजसेवी हैं, जिन्होंने विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक और सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई है। वे न केवल अपने परिश्रम और सेवा-भावना के लिए जाने जाते हैं, बल्कि जैन समाज और इंजीनियरिंग समुदाय के लिए भी एक प्रेरणास्त्रोत हैं। उनकी इस उपलब्धि से संपूर्ण समाज को गौरव की अनुभूति हो रही है। उनकी नियुक्ति से विश्वविद्यालय को निश्चित रूप से उनके अनुभव, कुशल प्रबंधन और सामाजिक सरोकारों का लाभ मिलेगा।

शिक्षा, माजसेवा और प्रशासनिक कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी विश्वविद्यालय की प्रगति में अहम भूमिका निभाएगी। उनके परिवार, मित्रों, सहयोगियों और समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में छात्राओं ने जाना यातायात के नियम

सड़कों को सुरक्षित बनाने में अपनी भूमिका निभाने के लिए भी किया प्रोत्साहित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एंटी रैगिंग कमेटी की संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में यातायात प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ प्रशांत शुक्ला ने महाविद्यालय के छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी और नियमों का पालन करते हुए वाहन चलाने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही सड़कों को सुरक्षित बनाने में अपनी भूमिका निभाने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक गुरजीत सिंह , यातायात प्रशिक्षक टीके भोई, सहायक प्रशिक्षक सहदेव राम वर्मा एवं सुनीता चंसोरिया, प्राचार्य डॉक्टर संध्या गुप्ता व कार्यक्रम अधिकारी डॉ रात्रि लहरी उपस्थित थे। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक विगत दिवस से चौक- चौराहो मे ट्रैफिक्र वार्डन की भूमिका मे अपनी ड्यूटी पूरी कर रहे है।

गुरजीत सिंह ने छात्राओं को दो पहिया वाहन चलाते हुए हेलमेट पहनने की सलाह दी और उसकी महत्ता के बारे में बताया और सड़क हादसे में घायल की मदद कर अपनी जिम्मेदारियां को पूरा करने की बात कही, साथ ही यातायात नियमो का प्रचार प्रसार एवं जागरूक करने का संकल्प दिलाया। टी के भोई ने यातायात नियमों के साथ मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत यातायात नियमों और संकेत के बारे के साथ ही पांच प्रकार के चालान के बारे में चर्चा के साथ हेल्पलाइन नंबर 9479191234 की जानकारी दी। सुरक्षित ड्राइविंग के लिए 10 नियमों का पालन करने को कहा जिससे हम सब दुर्घटनाओं को कम कर सके।

प्राचार्य डॉक्टर संध्या गुप्ता ने कहा कि शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रचार अभियानों के माध्यम से लोगों में सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी और जागरूक करना चाहिए। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के एंटी रैगिंग के प्रभारी डॉ. कविता सिलवाल, डॉ राजेश अग्रवाल, डॉ वंदना अग्रवाल डॉ सिमरन आर वर्मा, डॉ देव श्री वर्मा, प्रीति साहू, अंशिका दुबे,डॉ टीनू दुबे, आराधना सिंह, डॉ ज्योति अग्रवाल,तृप्ति द्विवेदी मान्य शर्मा, डॉ अनुराधा गुप्ता समस्त प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

समझौता राज्य के व्यापार व उद्योगों को नई दिशा देगा-अमर पारवानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि 28 जनवरी को छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन के मध्य (एमओयू) समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर हुआ। आईआईटी भिलाई और छत्तीसगढ़ चेंबर का ऐतिहासिक समझौता राज्य के व्यापार और उद्योगों को नई दिशा देगा।

चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में व्यापार, उद्योग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने तथा व्यापार और नवाचार के नविन अवसरों को खोजने छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन के मध्य ऐतिहासिक (एमओयू) समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। पारवानी ने बताया कि चेंबर की ओर से चेंबर पदाधिकारियों में प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, प्रदेश महामंत्री अजय भसीन, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल, संजय चौबे एवं आईआईटी भिलाई के डायरेक्टर राजीव प्रकाश, आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन (आईबीआईटीएफ) के सीईओ प्रशांत माथुर, विष्णु वैभव द्विवेदी, संतोष विश्वास जी ने हस्ताक्षर किए।

पारवानी ने ताया कि एमओयू के मुख्य उद्देश्य व्यापार और उद्योग को बढ़ावा देना, छत्तीसगढ़ राज्य में व्यापार और उद्योगों के विकास को प्रोत्साहित करना और उनका समर्थन करना। व्यवसाय हितों का प्रतिनिधित्व करना, व्यापार और उद्योग के विकास के लिए सरकार और नियामक प्राधिकरणों के समक्ष व्यापारिक समुदाय के हितों का प्रतिनिधित्व करना, ताकि राज्य सरकार के राजस्व में वृद्धि हो और नए रोजगार के अवसर उत्पन्न हों, नीति वकालत व्यापार और उद्योग के लिए लाभकारी नीतियों की सिफारिश करना और नीति निर्माण में सहयोग करना।नेटवर्किंग को बढ़ावा देना व्यवसायों को नेटवर्किंग, सहयोग, और विचारों के आदान-प्रदान के लिए मंच प्रदान करना है ।

भारत सरकार के विकसित भारत 2047 को ध्यान में रखते हुए व्यपारियों एवं उधमियों के हितों के लिए कौशल विकास और प्रशिक्षण कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित करना, विशेष रूप से स्टार्टअप और महिला उद्यमियों को सहयोग प्रदान करना। उद्यमिता को प्रोत्साहन उद्यमियों को अगले स्तर तक ले जाने के लिए मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान करना। विवाद समाधान व्यापारिक विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग सेसुलझाने के लिए चेंबर मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा। चेम्बर एवं आईआईटी भिलाई के साथ मिलकर व्यपारियों एवं उधमियो के लिए सतत विकास को बढ़ावा देना व्यापार और उद्योगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जल पुनर्चक्रण, सौर ऊर्जा का उपयोग, और वृक्षारोपण जैसी तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना। आर्थिक विकास को बढ़ावा देना छत्तीसगढ़ राज्य के समग्र आर्थिक विकास और सामाजिक प्रगति में योगदान देना। वैश्विक संबंध बनाना व्यापारिक अवसरों के विस्तार के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार निकायों के साथ साझेदारी स्थापित करना प्रतिस्पर्धा में सुधार व्यापार और उद्योगों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पाद की गुणवत्ता सुधारने और एसओपी तैयार करने में मदद करना।

आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन तथा चेंबर के बीच हुए इस एमओयू के माध्यम से छत्तीसगढ़ चेंबर, उद्योग एवं व्यापार जगत से सम्बंधित समस्याओं को चिन्हांकित कर, उनका समाधान करके व्यापार एवं नवाचार के नविन अवसरों की खोज करेगा।

86वीं इंटर स्टेट सब जुनियर और कैडेट राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस टीम घोषित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ के तत्वावधान में मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संघ द्वारा इंदौर (मध्यप्रदेश) में 30 जनवरी से 7 फरवरी 2025 तक 86वीं इंटर स्टेट सब जुनियर एवं कैडेट राष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है जिसमें 30 जनवरी से 2 फरवरी तक होप्स (अंडर-11) बालिका एकल, कैडेट (अंडर-13) बालिका एकल/युगल वर्ग एवं सब जुनियर (अंडर-15) बालिका टीम/एकल/युगल वर्ग तथा 4 फरवरी से 7 फरवरी तक होप्स (अंडर-11) बालक एकल, कैडेट (अंडर-13) बालक एकल/युगल वर्ग एवं सब जुनियर (अंडर-15) बालक टीम/एकल/युगल वर्ग की प्रतियोगिता होगी। उक्त प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के होप्स, कैडेट एवं सब जुनियर (बालक एवं बालिका) टीम की घोषणा की गयी। इस अवसर पर पदाधिकारी विनय बैसवाड़े, प्रदीप जोशी, रजनीश ओबेराय सहित सभी पदाधिकारियों ने टीम को शुभकामनाएं दी एवं अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जतायी।

प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य कि होप्स, कैडेट एवं सब जुनियर बालिका टीम मंगलवार को रवाना हुयी तथा होप्स, कैडेट एवं सब जुनियर बालक टीम 2 फरवरी को रवाना होगी। टीम के कोच एम. रविराज (दुर्ग) एवं मेनेजर श्रीमती अपर्णा पांडे (रायपुर) है। छत्तीसगढ़ से प्रतियोगिता में अंपायरिंग के लिए अजीत बेनर्जी (रायपुर), आकाश श्रीवास्तव (बिलासपुर), कु. प्रिया चावड़ा (रायपुर) व नागेश्वर साहू (रायपुर) को चुना गया है।

टीम इस प्रकार है- सब जुनियर बालिका (अंडर-15) - आहना सिंह (रायपुर), समाया पांडे (रायपुर), तिशा हरडेल (दुर्ग), सिया मेघानी (बिलासपुर)। कैडेट बालिका (अंडर-13) - समाया पांडे (रायपुर), लावण्या पांडे (रायपुर), वेदी कच्छवाहा (रायपुर), अक्षिता बीनू (बिलासपुर)। होप्स बालिका (अंडर-11) - अक्षिता बीनू (बिलासपुर), आरुषी मढ़रिया (दुर्ग)। सब जुनियर बालक (अंडर-15) - आर्यन कुमार सिंह (रायपुर), दीक्षांत कुमार जांगड़े (बिलासपुर), श्रेष्ठ मिश्रा (रायपुर), तेजस जादवानी (रायपुर) कैडेट बालक (अंडर-13) - दीक्षांत कुमार जांगड़े (बिलासपुर), कवीश काला (रायपुर), राजदीप गांगुली (बिलासपुर), शिखर बागड़े (दुर्ग)। होप्स बालक (अंडर-11) - अथर्व साहू (दुर्ग), तुषार सोना (दुर्ग) शामिल हैं।

कलेक्टर सिंह ने किया मतस्य और पीएचई विभाग का औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने तेलीबांधा स्थित मतस्य विभाग और पंडरी रोड स्थित पीएचई विभाग का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया और अनुपस्थित कर्मचारियों की जानकारी ली।

कर्मचारियों को समय पर उपस्थिति देने के सख्त निर्देश

कलेक्टर डॉ. सिंह ने निर्देश दिया कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी अवकाश पर जाता है, तो उसके अवकाश आवेदन की प्रति उपस्थिति रजिस्टर में अनिवार्य रूप से रखी जाए। उन्होंने विभागों में बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था शीघ्र लागू करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा, डॉ. सिंह ने कार्यालय परिसर को साफ-सुथरा रखने, टेबलों को व्यवस्थित बनाए रखने और प्रत्येक टेबल पर नाम पट्टिका लगाने का निर्देश दिया, ताकि सभी की पहचान स्पष्ट हो सके। उन्होंने सभी कर्मचारियों को सुबह 10 बजे तक कार्यालय पहुंचने और शाम 5:30 बजे से पहले कार्यालय न छोड़ने के सख्त निर्देश दिए, अन्यथा वेतन काटा जायेगा। सुरक्षा नियमों पर जोर देते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी कर्मचारी हेलमेट पहनकर कार्यालय आएं और कार से आने वाले सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप भी उपस्थित रहे।

अर्पण के दिव्यांग बच्चों ने पेश किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजेन्द्र नगर स्थित अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल में ध्वजारोहण कर वार्षिक उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि प्रखर वक्ता मोटिवेशनल स्पीकर, समाजसेवी व शिक्षाविद् मुकेश शाह थे। शिक्षाविद् प्रदीप चंद्र भोई ने अध्यक्षता की। अर्पण कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रकाश शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर मुकेश शाह ने कहा कि इन दिव्यांग बच्चों के संग समय बिताने से शांति मिलती है। ये वास्तव में ईश्वर के रूप हैं।

कार्यक्रम में स्कूल के मूक-बधिर बच्चों ने सुन नहीं पाने के बाद भी देशभक्ति की धुन पर आकर्षक नृत्य किया व सफाई तथा जल ही जीवन है विषय पर नाटक पेश किया। इशारों में इनकी अभिव्यक्ति देखकर पालक व दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। महिलाओं की आंखों से आंसू झरने लगे थे। इस अवसर पर बच्चों को पुरस्कार तथा उपहार देकर भोजन कराया गया। कार्यक्रम में मधुधारा संगठन की मधु दीदी, लायन क्लब सेंट्रल के रानू लूनिया, रीजन चेयरपर्सन राजेश चौरसिया, सचिव राहुल अग्रवाल, लेट्स डोनेट की टीम, डॉ. रुचिका पांडेय, प्राचार्य कमलेश शुक्ला, सीमा छाबड़ा, उपाध्यक्ष धनंजय त्रिपाठी, मृत्युंजय शुक्ला, मोनिका गुप्ता, मोनिका साहू आदि मौजूद थे।

एक विशाल रक्तदान शिविरों का आयोजन शिविर में 144 यूनिट रक्त किया संग्रहित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मॉडल ब्लड बैंक, पैथोलॉजी विभाग चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर के तकनीकी सहयोग से अग्रवाल सभा छत्तीसगढ़ और मानव सेवा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को मरीन ड्राईव, तेलीबांधा में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में स्वस्फूर्त होकर 110 युवा स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने रक्दान किया। इसी दिन मॉडल ब्लड बैंक ने एक दूसरा रक्तदान शिविर एफसी.सी., लाखेनगर चौक में भी आयोजित किया, जिसमें 34 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। यह रक्त अम्बेडकर अस्पताल में थैलेसिमिया और सिकल सेल एनीमिया से ग्रसित मरीजों को नि:शुल्क व अन्य जरूरतमंद मरीजों को 24 घंटे उपलब्ध कराया जाता है।

इस अवसर पर पैथोलॉजी के विभागाध्यक्ष, डॉ. अरविन्द नेरल ने रक्तदान की महत्ता प्रतिपादित करते हुए कहा कि रक्तदान करना शारीरिक रूप से बहुत सुरक्षित प्रक्रिया है, जिससे हम 3 से 4 मरीजों के जान बचाने की मानसिक संतुष्टि हासिल कर सकते हैं, जो अनमोल है। उन्हो शिविर स्थल पर रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए प्रोत्साहित किया। ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. अमित भारद्वाज ने बताया कि ऐसे शिविर आयोजित करने के लिये उनसे संपर्क किया जा सकता है ताकि न सिर्फ ब्लड बैंक में बल्कि दूरस्थ अन्यत्र क्षेत्रों में भी मोबाईल ब्लड बैंक वाहन से रक्तदान शिविर आयोजित किये जा सकते हैं। इस शिविर के सफल आयोजन में डॉ. अविरल मिश्रा, डॉ. संध्या वर्मा, डॉ. सोनल चन्द्राकर और प्रेम बिरला के अलावा ब्लड बैंक के तकनीकी कर्मचारियों का सहयोग रहा है। अग्रवाल सभा छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों का उत्साह और आयोजन व्यवस्था अत्यंत सराहनीय रही।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

BIHAR
BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

छोटी ड्रेस पहन सुरभि चंदना ने कराया हॉट फोटोशूट

टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना हमेशा अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस के बीच लाइमलाइट बटोरती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

एक्ट्रेस सुरभि चंदना आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका सिजलिंग और हॉट अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लू कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही कातिलाना अदाओं में पोज देती हुई इंटरनेट का पारा हाई कर रही हैं।

कानों में बड़ी सी इयररिंग्स, लाइट मेकअप और डार्क शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस सुरभि चंदना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

सुरभि चंदना की इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- बेहद शानदार। तीसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग।

आकांक्षा शर्मा तेलुगु और हिंदी सिनेमा में डेब्यू करेंगी

2025 आकांक्षा शर्मा के लिए एक सफल वर्ष होने वाला है, क्योंकि उभरती हुई स्टार तेलुगु और हिंदी सिनेमा दोनों में अपनी बहुप्रतीक्षित शुरुआत करने के लिए तैयार है। चार विविध परियोजनाओं की एक उल्लेखनीय लाइनअप के साथ, आकांक्षा अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करने और उद्योग में सबसे रोमांचक नई प्रतिभाओं में से एक के रूप में अपनी जगह पक्की करने के लिए तैयार है। यहाँ उनकी आगामी फिल्मों की एक झलक दी गई है:

तेरा यार हूँ मैं: प्रतिभाशाली मिलाप जावेरी द्वारा निर्देशित इस फील-गुड रोमांटिक-कॉमेडी में आकांक्षा रोमांस की दुनिया में कदम रखती हैं। अमन इंद्र कुमार के साथ अभिनीत, यह फिल्म रिश्तों, दोस्ती और प्यार पर एक नया नज़रिया पेश करती है। भावनाओं को हास्य के साथ मिलाने की मिलाप की आदत के साथ, यह फिल्म दर्शकों पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है।

केसरी वीर: इस पीरियड ड्रामा में आकांक्षा बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों जैसे सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित केसरी वीर दर्शकों को एक महाकाव्य यात्रा पर ले जाएगा, जिसमें आकांक्षा इस एक्शन से भरपूर ड्रामा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जो दमदार अभिनय और मनोरंजक कहानी दोनों का वादा करता है।

लैला: आकांक्षा की तेलुगु डेब्यू लैला के साथ होने वाली है, जहां वह प्रतिभाशाली विश्वक सेन के साथ अभिनय करेंगी। अपने दमदार अभिनय के लिए जाने जाने वाले, इस प्रोजेक्ट में आकांक्षा के साथ विश्वक सेन की जोड़ी निश्चित रूप से तेलुगु फिल्म उद्योग में कुछ रोमांचक लेकर आएगी, जिसमें शानदार केमिस्ट्री के साथ आकर्षक कहानी होगी।

बिना शीर्षक वाली एक्शन-कॉमेडी: इन सबसे बढ़कर, आकांक्षा एक एक्शन-कॉमेडी में भी नज़र आएंगी, जिसका निर्देशन एक बार फिर मिलाप जावेरी करेंगे। यह हाई-एनर्जी फ़िल्म एड्रेनालाईन-पंपिंग एक्शन सीक्वेंस को हास्य के साथ मिलाएगी, और आकांक्षा की नई प्रतिभा के साथ, यह दर्शकों के लिए एक मनोरंजक सवारी होगी।

फिल्मों की इस आशाजनक सूची के साथ, 2025 आकांक्षा शर्मा के लिए एक निर्णायक वर्ष बनने जा रहा है। रोमांस और पीरियड ड्रामा से लेकर एक्शन-कॉमेडी तक, तेलुगु और हिंदी दोनों फ़िल्मों में उनकी प्रभावशाली पहली फिल्में उनकी अनुकूलनशीलता और रेंज को दर्शाती हैं। उनके सुर्खियों में आने से प्रशंसकों को निश्चित रूप से एक ट्रीट मिलने वाली है!

सान्या मल्होत्रा ने दिखाई घर-गृहस्थी संभालने वाली महिलाओं के संघर्ष की कहानी

एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा का नाम सामने आते ही दंगल फिल्म में उनका किरदार याद आ जाता है। इस फिल्म के बाद भी उन्होंने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया। मूवी कटहल और मीनाक्षी सुंदरेश्वर में भी उनकी दमदार एक्टिंग को सराहा गया। इन दिनों उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म मिसेज की चल रही है। इसका इंतजार प्रशंसक लंबे समय से कर रहे थे। हालांकि, अब इससे जुड़ी गुड न्यूज सामने आ गई है।

मिसेज फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में ट्रेलर जारी किया। इसे देखने के बाद मिसेज की कहानी का अंदाजा भी लग गया है। यह एक हाउस वाइफ की कहानी को दर्शाती है। आमतौर पर इस तरह के विषय पर आधारित फिल्मों में आधुनिकता का ढोल पीटा जाता है, लेकिन सान्या मल्होत्रा स्टारर मूवी समाज की उस महिला को दर्शाती है, जिसे खाना बनाने और साफ-सफाई करने का काम सौंप दिया जाता है और उसे ही उनकी जिंदगी बताया जाता है।

फिल्म में एक्ट्रेस सान्या एक नई दुल्हन ऋचा की भूमिका में नजर आएंगी। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से जुड़ी जानकारी का अपडेट शेयर किया है। बता दें कि मूवी को सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जाएगा। आरती कड़व के निर्देशन में बनी फिल्म का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म जी-5 पर किया जाएगा। मिसेज फिल्म का प्रीमियर अभी तक कई पॉपुलर फिल्म फेस्टिवल में किया जा चुका है। आप सान्या मल्होत्रा की मूवी को 7 फरवरी से देख पाएंगे। दरअसल, इसी दिन मूवी को ओटीटी पर रिलीज किया जाएगा।

सान्या मल्होत्रा स्टारर मिसेज फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन का हिंदी रीमेक है। बता दें कि यह एक मलयालम फिल्म है, जिसमें एक ऐसी महिला की कहानी को दर्शाया गया है, जो लजीज खाना बनाती है। वह अपने परिवार और पति का खूब ख्याल रखती हैं।

हालांकि, वह घर के कार्यों में ही फंसकर रह जाती हैं। जब महिला इन सभी काम से तंग आ जाती है तो कहानी में बड़ा मोड़ आता है। फिलहाल देखना दिलचस्प होगा कि इसका हिंदी रीमेक दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने में सफल हो पाता है या नहीं।

सैफ-करीना ने हमले के बाद लिया बड़ा फैसला, पैप्स-फैंस सबको लगेगा झटका

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान को 16 जनवरी, 2025 की सुबह मुंबई में उनके बांद्रा स्थित घर पर एक शख्स ने धारदार हथियार से वार किया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल सैफ खुद ऑटो से लीलावती अस्पताल पहुंचे जहां उनकी आनन-फानन में एक सर्जरी हुई। डॉक्टर्स ने उनकी स्पाइन से एक ढाई इंच का चाकू का टुकड़ा निकाला। हालांकि, इस केस में हर दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इस बीच फोरेंसिक एक्सपर्ट प्रोफेसर दिनेश राव ने सैली अली खान पर हुए हमले को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है, जिसके केस की पूरी तस्वीर बदलती नजर आ रही है। वहीं, इस हमले के बाद सैफऔर करीना ने एक बड़ा फैसला किया है। उनके इस फैसले से पैप्स ही नहीं फैंस को भी झटका लगने वाला हैं। सैफीना के इस फैसले का कनेक्शन उनके दोनों बेटों जेह और तैमूर से है।

सैफ के साथ जो हुआ, वो दोबारा उनके परिवार में फिर से न हो इसे लेकर बॉलीवुड कपल सचेत है। उन्होंने हमले के बाद से ही सिक्योरिटी को और टाइट कर दी है। अब सैफीना ने पैपराजी से रिक्वेस्ट की है कि वो उनके बच्चों की तस्वीरें न लें और न ही कभी कहीं उनका पीछा करें या किसी जगह पर अप्रोच करें।

लिया ये बड़ा फैसला

इस परेशान करने वाली घटना के बाद करीना कपूर की टीम ने मुंबई पैपराजी के साथ एक मीटिंग की। उन्होंने फोटोग्राफरों को कपल के बेटों जेह और तैमूर की तस्वीरें लेने से परहेज करने की गुजारिश की है। इसके साथ ही कपल ने बढ़ती सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए पैप्स से उनके आवास के बाहर इकट्ठा न होने की भी अपील की है। कथित तौर पर परिवार इस चिंताजनक घटना के मद्देनजर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय कर रहा है।

तैमूर और जहांगीर की तस्वीरें कहीं भी न लें

सैफ अली खान और करीना कपूर के पीआर मैनेजर ने पैपराजी से रिक्वेस्ट किया कि वें उनके बच्चों तैमूर और जहांगीर की तस्वीरें कहीं भी न लें। चाहे वो किसी बगीचे में हो जहां वो खेलने गए हों या किसी जन्मदिन की पार्टी में या किसी वो किसी खेल परिसर में हो।

फैंस हैं खासा दुखी

सैफऔर करीना के इस फैसले से पैप्स और फैंस खासा दुखी हैं। हालांकि कई लोग मान रहे हैं कि सुरक्षा के लिहाज से उन्होंने ये सहीं फैसला लिया है।

धनुष की 'तेरे इश्क में' हुई कृति सेनन की एंट्री

सिगरेट से खुद को आग लगाते हुए दिखीं एक्ट्रेस

साउथ सुपरस्टार धनुष एक बार फिर रांझना बनकर बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। एक्टर की अपकमिंग फिल्म 'तेरे इश्क में' के मेकर्स ने बीते दिन सोमवार को एक टीजर शेयर कर इसकी अन्नोउंसमेंट की है। इस टीजर में एक मिस्ट्री एक्ट्रेस की वॉइस ओवर सुनाई दे रहा है, जिससे सुनने के बाद फिल्म की लीड एक्ट्रेस को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर है।

मंगलवार को एक और टीजर सामने आया है, जिसमें इस मिस्ट्री एक्ट्रेस से पर्दा उठ चूका है। यह और कोई नहीं, बल्कि एक्ट्रेस कृति सेनन है, जो फिल्म में धनुष के साथ रोमांस करते हुए दिखाई देंगी।

धनुष की अपकमिंग फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं, जिसकी लीड एक्ट्रेस के रूप में कृति सेनन की एंट्री हो गई है। फिल्म की बीते रात जारी हुए क्लिप के अंत में एक्ट्रेस की आवाज सुनाई दी थी,

जिसके बाद फैंस यह जानने के लिए काफी बेताब थे कि धनुष के साथ इस फिल्म में कौन सी एक्ट्रेस रोमांस करने वाली हैं। हालांकि, आज फिल्म के निर्माताओं ने कृति सेनन की एक क्लिप शेयर कर इसकी पुष्टि कर दी है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कृति अपने हाथ में तेल की बोतल लेकर आती है और पूरा तेल खुद पर डाल लेती हैं। उसके बाद एक सिगरेट जलाती है और आग लगा देती हैं। ऐसे में इस क्लिप को देखने के फैंस इस फिल्म को देखने के लिए काफी उत्सुक हो रहे हैं। 'तेरे इश्क में' फिल्म में कृति सेनन के किरदार का नाम मुक्ति और धनुष के किरदार का नाम शंकर है।

कब रिलीज होगी यह फिल्म?

धनुष और कृति की 'तेरे इश्क में' फिल्म 28 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को हिमांशु शर्मा ने लिखा है। वहीं, ए आर रहमान ने म्यूजिक दिया है और भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने इसे प्रोड्यूस किया है।

घर पर नेचुरल मेकअप फिक्सर कैसे बनाएं? यहां जानें होममेड मेकअप सेटिंग स्प्रे बनाने का तरीका

आजकल ज्यादातर महिलाएं सुंदर दिखने के मेकअप का यूज करती हैं। लेकिन लंबे समय तक मेकअप को चेहरे पर फिक्स रखना थोड़ा मुश्किल होता है। धूप, धूल और पसीना आने की वजह से मेकअप थोड़ी देर बाद हटना शुरू हो जाता है। ऐसे में मेकअप को लॉन्ग लास्टिंग बनाए रखना किसी टास्क से कम नहीं होता। इसलिए कई महिलाएं मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने के लिए मेकअप फिक्सर का इस्तेमाल करती हैं।

यूं तो बाजार में कई तरह के मेकअप फिक्सर मिलते हैं। लेकिन इन सभी में केमिकल होते हैं। साथ ही इन्हें खरीदने में

पैसे भी अच्छे-खासे खर्च होते हैं। ऐसे में अगर आप चेहरे पर नेचुरल मेकअप फिक्सर का लगाना चाहती हैं तो यहां बताए तरीके से आसानी से घर पर उसे तैयार कर सकती हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में।

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत

2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल
1/2 कप पानी
1/2 चम्मच ग्लिसरीन
1-2 चम्मच गुलाब जल
1 छोटा स्प्रे बोतल

फ्रेश एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

अगर आप घर पर मेकअप फिक्सर बना रही हैं तो कोशिश करें इसमें फ्रेश एलोवेरा जेल का ही यूज करें। लेकिन अगर आप स्टोर से खरीद रही हैं, तो ध्यान दें कि उसमें कोई केमिकल न हो।

घर पर मेकअप फिक्सर बनाएं?

सबसे पहले एक बर्तन में फ्रेश एलोवेरा जेल को डाल दें। इसके बाद इसमें पानी और ग्लिसरीन को भी बताई गई मात्रा के अनुसार डाल के मिला लें। अब इसमें गुलाब जल मिला लें। आपका नेचुरल मेकअप फिक्सर बनकर तैयार हो गया है। इसे आप एक स्प्रे बोतल में डाल लें।

नेचुरल मेकअप फिक्सर के फायदे

एलोवेरा त्वचा को हाइड्रेट करता है। इसके साथ ही यह मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करता है। गुलाब जल और ग्लिसरीन से स्किन को नमी मिलती है।

अरमान मलिक की दोनों पत्नियां पायल और कृतिका हुई अलग

यूट्यूबर ने अपनी संपत्ति का किया बंटवारा

पॉपुलर यूट्यूबर अरमान मलिक अपनी दोनों शादियों को लेकर अक्सर विवादों में घिरे रहते हैं। उनकी पत्नियां कृतिका और पायल मलिक अपने व्लॉग्स के जरिए डे टूडे डिटेल्स शेयर करती रहती हैं। जहां वह अपने बच्चों से लेकर बिजनेस तक का अच्छे से ख्याल रखती हैं। हालांकि अब ऐसा लगता है कि दोनों ने अपनी जिम्मेदारियां बांट ली हैं और बंटवारा करने का फैसला किया।

अरमान ने अपने यूट्यूब वीडियो में इस बारे में खुलासा किया है। वीडियो में अरमान ने बताया कि उनकी दोनों पत्नियां पायल और कृतिका अलग रहना चाहती हैं। कृतिका जहां बिजनेस संभालना चाहती हैं, वहीं पायल का ध्यान बच्चों की देखभाल पर है। बातचीत के दौरान अरमान ने पायल से पूछा कि क्या वह घर पर रहकर बच्चों की देखभाल करने के लिए तैयार है। पायल ने रिएक्ट करते हुए कहा कि कृतिका जो भी निर्णय लेती है, वह उससे खुश और संतुष्ट है।

पायल संभालेगी बच्चों को, कृतिका करेगी यह काम

पायल की बातों को सुनकर अरमान ने फैसला किया कि पायल और कृतिका को अलग-अलग देखा जाएगा। अब से कृतिका ऑफिस जाएगी और पायल बच्चों पर ध्यान देगी। अरमान ने आगे बताया कि वह पायल के साथ यूट्यूब का काम संभालेंगे। वीडियो के कमेंट सेक्शन में नेटिजन्स कृतिका को भला बुरा कह रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, कृतिका कभी भी पायल को खुश नहीं देखना चाहती है। वह हमेशा स्वार्थी की तरह करती हैं। एक दूसरे यूजर ने लिखा, पायल को थोड़ा समझदार बनना होगा।

पायल, कृतिका और अरमान की लवस्टोरी

पायल और अरमान की लवस्टोरी काफी यूनिक है। दोनों को पहली नजर में ही एक दूसरे से प्यार हो गया था। कपल के तीन बच्चे हैं, जिसमें चिरायु, तूबा और अयान है। बाद में कृतिका उनकी लाइफ में आई और उसे भी अरमान से प्यार हो गया। दोनों ने शादी करने का फैसला किया। जब अरमान ने पायल को उसकी दूसरी शादी के बारे में बताया, तो उनके बीच काफी लड़ाई हुई। हालांकि अब तीनों अच्छे से साथ में रहते हैं।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में हथकरघा सम्मेलन-मंथन का उद्घाटन किया

नई दिल्ली (पीआईबी)। केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने हैंडलूम कॉन्क्लेव: मंथन में सभी हितधारकों से पारंपरिक मानसिकता को बदलकर हथकरघा क्षेत्र को 'आत्मनिर्भर' बनाने और नवीन तकनीकी समाधानों के माध्यम से हथकरघा बुनाई को सशक्त बनाने और वैश्विक बाजार में हथकरघा उत्पादों को ब्रांड के रूप में प्रदर्शित करने की अपील की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कपड़ा मंत्रालय प्रधानमंत्री मोदी के महिला सशक्तिकरण के दृष्टिकोण का एक आदर्श उदाहरण है क्योंकि मंत्रालय के सभी प्रमुख पदाधिकारी महिलाएं हैं और कपड़ा उद्योग में कार्यरत अधिकांश कारीगर बुनकर भी महिलाएं हैं।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने हथकरघा बुनकर ई-पहचान पोर्टल और हथकरघा पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल का शुभारंभ किया। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि उभरते ई-कॉमर्स बाजार को लक्षित करने के लिए हथकरघा उत्पादों की टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल प्रकृति, प्राकृतिक रंगाई, जैविक फाइबर के लाभ और हथकरघा उत्पादों के डिजाइन की विशिष्टता के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। वर्ष 2030 तक ई-कॉमर्स के 325 बिलियन डॉलर का बाजार बनने की उम्मीद है।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने संगठित/कॉरपोरेट क्षेत्र में कार्यरत कपड़ा उद्योग से हथकरघा बुनकरों के लिए सामाजिक सुरक्षा और उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित करते हुए स्थायी आजीविका प्रदान करने के लिए एक मॉडल विकसित करने का भी आग्रह किया।

कपड़ा मंत्रालय द्वारा कॉरपोरेट्स/उत्पादक कंपनियों/स्टार्ट-अप्स के लिए पुरस्कार शुरू किया जाएगा जो हथकरघा उद्योग के लिए ऐसा मॉडल तैयार करेगा और हथकरघा बुनकरों को साल में न्यूनतम 300 दिन का स्थायी रोजगार प्रदान करेगा।

केंद्रीय विदेश एवं कपड़ा राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हथकरघा उत्पाद हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत के जीवंत प्रमाण हैं। उन्होंने हथकरघा उद्योग को एक जीवंत क्षेत्र के रूप में पुनर्जीवित करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला जो युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के लिए उचित आय प्रदान करता है।

कपड़ा मंत्रालय के सचिव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'कॉन्क्लेव-मंथन' एक 'चिंतन शिविर' है जो विपणन अवसरों की उपलब्धता और हथकरघा बुनाई से युवाओं के पलायन के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए हितधारकों के साथ संवाद स्थापित करने का मंत्रालय का एक प्रयास है। उन्होंने आधुनिक शिक्षा और पारंपरिक ज्ञान के बीच तालमेल बनाने पर भी बल दिया।

कार्यक्रम की मुख्य बातें: कॉन्क्लेव में 03 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए

हथकरघा क्षेत्र में स्टार्ट-अप इको-सिस्टम की सहायता
हथकरघा विपणन के अवसर और रणनीतियाँ
युवा बुनकरों के लिए हथकरघा क्षेत्र का विकास: दृष्टिकोण और रणनीति
महत्वपूर्ण उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करना
महत्वपूर्ण मूल्य प्रस्ताव के रूप में आकर्षक पैकेजिंग
युवाओं को आकर्षित करने के लिए हथकरघा क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना
प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम इस प्रकार से डिजाइन किया जाना चाहिए कि उसमें सॉफ्ट स्किल्स, आईटी ज्ञान और प्रस्तुति कौशल शामिल हों
ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए उत्पाद के निर्माण के पीछे की कहानी पर प्रकाश डाला जा सकता है।
हथकरघा बुनाई को औपचारिक शिक्षा के अंतर्गत शामिल करना

कांग्रेस पूरी तरह निराश, चुनाव से पहले हार मानी: अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री/नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव ने कहा है कि राज्य के 10 नगर निगमों, 49 नगरपालिकाओं और 114 नगर पंचायतों में जो चुनाव हो रहा है, उसके लिए नामांकन दाखिले का काम मंगलवार को पूर्ण हो चुका है और बुधवार को नामांकन पत्रों की समीक्षा हो रही है। इस बीच अनेक स्थानों पर उन्हें (स्वयं साव को) 2023 के विधानसभा, 2024 के लोकसभा चुनावों और रायपुर दक्षिण उपचुनाव के समय जैसा उत्साह था, वैसा ही उत्साह निकाय चुनावों की नामांकन रैलियों में दिखाई पड़ा है। साव ने कहा कि यह बताता है कि नगरीय निकाय में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में लहर चल रही है और भाजपा सभी नगरीय निकायों में चुनाव जीतने वाली है। साव बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री साव ने कांग्रेस में मचे अंदरूनी घमासान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस की हालत सबके सामने है। पिछले 5 दिनों में जो मंजर प्रदेशवासियों ने देखा है, उससे स्पष्ट है कि कांग्रेस पार्टी में कैसी ऊहापोह और आपाधापी मची है, किस तरह से और कैसे प्रत्याशियों का चयन हो रहा है! साव ने कहा कि यह कितनी दुर्भाग्यजनक बात है कि महापौर जैसे पद के लिए कांग्रेस के पास जमीन पर काम करने वाली कोई कांग्रेस नेत्री नहीं मिली! अपने कार्यकर्ताओं की कैसी उपेक्षा और अपमान कांग्रेस पार्टी ने किया है, यह प्रत्याशियों का विश्लेषण करने पर साफ हो जाएगा। कम-से-कम महापौर के पद पर भी संगठन में, जनता के बीच काम करने वाले प्रत्याशी तक कांग्रेस लेकर नहीं आ पाई। साव ने कहा कि कांग्रेस ने रायपुर नगर निगम में 15 साल राज किया। राज्य के अधिकांश नगर निगमों में कांग्रेस का बहुमत था, पर निवर्तमान महापौर, जो नगरीय निकाय के पदाधिकारी हैं, उनको कांग्रेस पार्टी ने छिपा लिया क्योंकि उन्हें पता है जनता में उनके प्रति काफी आक्रोश है। रायपुर में 15 साल में कांग्रेस ने नगर निगम में कैसी दुर्दशा की, कैसे-कैसे बड़े-बड़े घोटाले किए, रायपुर शहर की जनता के सामने है। पिछले 5 साल में प्रदेश के सारे नगरीय निकायों में कांग्रेस के लोगों ने जो दुर्दशा की है।

ईस्ट कोस्ट रेलवे में डेवलपमेंट वर्क, छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली इन ट्रेनों का बदला रूट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के लिए ईस्ट कोस्ट रेलवे के संबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत संबलपुर रेलवे स्टेशन का यार्ड आधुनिकीकरण का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के फलस्वरूप कुछ गाड़ियों को परिवर्तित मार्ग सरला जंक्शन-संबलपुर सिटी होकर रवाना होगी। यह कार्य दिनांक 5 फरवरी से 30 अप्रैल, 2025 तक किया जाएगा ।

सरला जंक्शन-संबलपुर सिटी परिवर्तित मार्ग से चलने वाली गाडियां

दिनांक: 05, 08, 12, 15, 19, 22, 26 फरवरी, 01, 05, 08, 12, 15, 19, 22, 26, 29 मार्च एवं 02, 05, 09, 12, 16, 19, 23, 26, 30 अप्रैल, 2025 तक गाड़ी संख्या 12879 लोकमान्य तिलक टर्मिनल भुवनेश्वर एक्सप्रेस।

दिनांक : 06, 10, 13, 17, 20, 24, 27 फरवरी, 03, 06, 10, 13, 17, 20, 24, 27, 31 मार्च एवं 03, 07, 10, 14, 17, 21, 24, 28 अप्रैल, 2025 गाड़ी संख्या 12880 भुवनेश्वर एक्सप्रेस लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस।

3. दिनांक : 06, 13, 20, 27 फरवरी, 06, 13, 20, 27 मार्च एवं 03, 10, 17, 24 अप्रैल, 2025 तक गाड़ी संख्या 22865 लोकमान्य तिलक टर्मिनल पुरी एक्सप्रेस।

4. दिनांक : 11, 18, 25 फरवरी, 04, 11, 18, 25 मार्च एवं 01, 08, 15, 22, 29 अप्रैल, 2025 तक गाड़ी संख्या 22866 पुरी ङ्क लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस।

5. दिनांक: 09, 16, 23 फरवरी,02, 09, 16, 23, 30 मार्च एवं 06, 13, 20, 27 अप्रैल, 2025 तक गाड़ी संख्या 20471 लालगढ़ - पुरी एक्सप्रेस।

6. दिनांक: 12, 19, 26 फरवरी,05, 12, 19, 26 मार्च एवं 02, 09, 16, 23, 30 अप्रैल, 2025 तक गाड़ी संख्या 20472 पुरी लालगढ़ एक्सप्रेस।

7. दिनांक: 12, 19, 26 फरवरी,05, 12, 19, 26 मार्च एवं 02, 09, 16, 23, 30 अप्रैल, 2025 तक गाड़ी संख्या 20813 पुरी जोधपुर एक्सप्रेस।

8. दिनांक: 08, 15, 22 फरवरी,01, 08, 15, 22, 29 मार्च एवं 05, 12, 19, 26 अप्रैल, 2025 तक गाड़ी संख्या 20814 जोधपुर पुरी एक्सप्रेस।

9. दिनांक : 07, 08, 11, 14, 15, 18, 21, 22, 25, 28 फरवरी, 01, 04, 07, 08, 11, 14, 15, 18, 21, 22, 25, 28, 29 मार्च एवं 01, 04, 05, 08, 11, 12, 15, 18, 19, 22, 25, 26, 29 अप्रैल, 2025 तक गाड़ी संख्या 20807 विशाखापटनम अमृतसर हीराकुंड एक्सप्रेस।

10. दिनांक: 05, 08, 09, 12, 15, 16, 19, 22, 23, 26 फरवरी, 01, 02, 05, 08, 09, 12, 15, 16, 19, 22, 23, 26, 29, 30 मार्च एवं 02, 05, 06, 09, 12, 13, 16, 19, 20, 23, 26, 27, 30 अप्रैल, 2025 तक गाड़ी संख्या 20808 अमृतसर : विशाखापटनम हीराकुंड एक्सप्रेस।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बोकारो स्टील प्लांट के लिए मेगा विस्तार योजना का अनावरण किया

बोकारो, झारखंड (पीआईबी)। केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने सोमवार और मंगलवार को बोकारो स्टील प्लांट का दौरा किया, जहां उन्होंने उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी विस्तार योजना का अनावरण किया। 20,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ, ब्राउनफील्ड विस्तार का लक्ष्य हॉट मेटल उत्पादन को मौजूदा 5.25 MTPA से बढ़ाकर 7.55 MTPA करना है, जिससे स्टील सेक्टर में भारत के आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ने की गति को मजबूती मिलेगी।

बोकारो स्टील प्लांट, जिसने 1965 में अपनी नींव रखी और 1972 में अपना पहला ब्लास्ट फर्नेस संचालन शुरू किया, की शुरुआत में क्षमता 1.7 MTPA थी। इन वर्षों में, यह बढ़कर 5.25 रूझ्र्रू हो गई है और मंत्री ने कहा कि प्लांट अब एक नए 4500 क्यूबिक मीटर ब्लास्ट फर्नेस, एक थिन स्लैब कास्टिंग और डायरेक्ट रोलिंग सुविधा, एक कैल्सिनिंग प्लांट, एक स्टैम्प-चार्ज कोक ओवन बैटरी और एक सिंटर प्लांट विस्तार के साथ बड़े पैमाने पर ओवरहाल के लिए तैयार है।

परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, कुमारस्वामी ने कहा, यह विस्तार इस्पात उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2030 तक 300 MTPA इस्पात उद्योग के दृष्टिकोण के अनुरूप है। पूंजी और तकनीकी प्रगति के निवेश से इस्पात क्षेत्र को मजबूती मिलेगी और भारत की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

विस्तार के मूल में रोजगार सृजन और डीकार्बोनाइजेशन

उत्पादन बढ़ाने के अलावा, विस्तार योजना से 2,500 स्थायी नौकरियां और 10,000 अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी, जिससे क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। कुमारस्वामी ने डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों पर भी जोर दिया और कहा कि बोकारो स्टील प्लांट 2030 तक अपने कार्बन उत्सर्जन को 2.67 टन प्रति टन कच्चे इस्पात से घटाकर 2.2 टन से कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। संयंत्र अपनी नवीकरणीय ऊर्जा पहलों को आगे बढ़ा रहा है, जिसमें शामिल हैं: कुमारस्वामी ने कहा, ये कदम ऊर्जा खपत को अनुकूलित करते हुए क्षमता उपयोग को अधिकतम करने पर हमारे फोकस को दर्शाते हैं, जिससे भारत के इस्पात उद्योग के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित होता है।

घरेलू कोयला आपूर्ति को मजबूत करना: तसरा कोयला खदान और चासनल्ला वाशरी का दौरा अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में, एच.डी. कुमारस्वामी ने तसरा कोयला खदान का निरीक्षण किया, जो एक प्रमुख परियोजना है जिसका उद्देश्य आयातित कोकिंग कोयले पर भारत की निर्भरता को कम करना है। सितंबर 2025 में चालू होने के बाद, खदान 3.5 MTPA घरेलू कोकिंग कोयले का उत्पादन करेगी, जिससे इस्पात उत्पादन के लिए कच्चे माल की सुरक्षा मजबूत होगी। उन्होंने चासनल्ला वाशरी का भी दौरा किया, जिसकी स्थापित क्षमता 2 एमटीपीए है, जिसे कोयले में राख की मात्रा को 28प्रतिशत से घटाकर 17 प्रतिशत करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे इस्पात उत्पादन में बेहतर दक्षता सुनिश्चित होगी। कुमारस्वामी ने कहा, तासरा और चासनाला का विकास भारत को कोयला आपूर्ति में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप है। इस यात्रा के दौरान उनके साथ इस्पात और भारी उद्योग राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा और सेल अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश भी थे, जिन्होंने उन्हें संयंत्र में विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को आपूर्ति के लिए इथेनॉल की कीमत में संशोधन

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल की समिति (सीसीईए) ने केन्द्रस सरकार के इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के तहत 1 नवंबर, 2024 से 31 अक्टूबर 2025 तक इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2024-25 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए इथेनॉल खरीद मूल्य में संशोधन को मंजूरी दे दी है। इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2024-25 (1 नवंबर 2024 से 31 अक्टूबर 2025) के लिए सी-हैवी मोलासेस (सीएचएम) से प्राप्त ईबीपी कार्यक्रम के लिए इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 56.58 रुपए प्रति लीटर से 57.97 रुपए प्रति लीटर तय की गई है।

इस मंजूरी से न केवल सरकार को इथेनॉल आपूर्तिकर्ताओं के लिए मूल्य स्थिरता और लाभकारी मूल्य प्रदान करने की नीति जारी रखने में सुविधा होगी, बल्कि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने, विदेशी मुद्रा की बचत करने और पर्यावरण को लाभ पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। गन्ना किसानों के हित में जीएसटी और परिवहन शुल्क पहले की तरह अलग से देय होंगे। सीएचएम इथेनॉल की कीमतों में 3 प्रतिशत की वृद्धि से बढ़े हुए मिश्रण लक्ष्य को पूरा करने के लिए इथेनॉल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

सरकार इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम लागू कर रही है जिसके तहत तेल विपणन कंपनियां 20 प्रतिशत तक इथेनॉल के साथ मिश्रित पेट्रोल बेचती हैं। वैकल्पिक और पर्यावरण अनुकूल ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम पूरे देश में लागू किया जा रहा है। इसका उद्देश्य ऊर्जा आयात पर निर्भरता को कम करना और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना भी है। पिछले दस वर्षों (31.12.2024 तक) के दौरान, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण के परिणामस्वरूप लगभग 1,13,007 करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है और लगभग 193 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल की जगह इथेनॉल मिश्रित तेल का उपयोग हुआ है।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा इथेनॉल मिश्रण, इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2013-14 (ईएसवाई-वर्तमान में वर्ष की 1 नवंबर से अगले वर्ष की 31 अक्टूबर तक इथेनॉल आपूर्ति अवधि के रूप में परिभाषित) में 38 करोड़ लीटर से बढ़कर ईएसवाई 2023-24 में 707 करोड़ लीटर हो गया है जिससे 14.60 प्रतिशत का औसत मिश्रण प्राप्त हुआ है।

सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य पहले के 2030 की जगह 2025-26 कर दिया है। भारत में इथेनॉल मिश्रण के लिए रोडमैप 2020-25 को सार्वजनिक रूप से जारी कर दिया गया है। इस दिशा में तेल विपणन कंपनियों ने चालू ईएसवाई 2024-25 के दौरान 18 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने की योजना बनाई है। इथेनॉल आसवन क्षमता को बढ़ाकर प्रति वर्ष 1713 करोड़ लीटर करना, इथेनॉल की कमी वाले राज्यों में समर्पित इथेनॉल संयंत्र (डीईपी) स्थापित करने के लिए दीर्घकालिक ऑफ-टेक समझौते , सिंगल फीड डिस्टिलरी को मल्टी फीड में बदलने के लिए प्रोत्साहित करना, ई-100 और ई-20 ईंधन की उपलब्धता, फ्लेक्सी ईंधन वाहनों की शुरूआत जैसी पहल की गई हैं। ये सभी कदम व्यापार करने में आसानी और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी योगदान देते हैं। ईबीपी कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा किए गए उपायों के कारण देश भर में ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड डिस्टिलरीज के नेटवर्क, भंडारण और लॉजिस्टिक सुविधाओं के अलावा रोजगार के अवसरों और विभिन्न हितधारकों के बीच देश के भीतर मूल्य के बंटवारे के रूप में निवेश हुआ है।

क्षेत्रीय प्रशासनिक भवन में विद्युतकर्मियों ने अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, राजनांदगाव क्षेत्र के पार्रीनाला स्थित क्षेत्रीय प्रशासनिक भवन में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों की स्मृति एवं गांधीजी के पुण्यतिथि पर श्रद्धाजंली सभा का आयोजन किया गया।

सभा में पॉवर कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अतुल्यनीय योगदान देने वाले विभूतियों के त्याग और बलिदान के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन धारणकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट, अधीक्षण अभियंता एस. कंवर, के.सी. खोटे, कार्यापालन अभियंता आर. के. गोस्वामी, सुश्री गीता ठाकुर, सहायक अभियंता जी. एन. देवांगन, हेमराज साहु, श्रीमती उषा साहू, श्रीमती शेषकुमारी साहू, एस. पी. ठाकुर, पीआरओ डी. एस. मंडावी, एस.के. बक्शी, लेखाधिकारी भावेश वाल्दे, प्रशासनिक अधिकारी नीरज देवांगन, बी0 एस0 टेकाम, अनुभाग अधिकारी पी.आर.साहू, अमरलाल चौहान सहित प्रशासनिक भवन स्थित समस्त कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए।

खास खबर

कार और बाइक की भिड़ंत में युवक की मौत

जांजगीर-चांपा। अकलतरा के जनपद पंचायत के पास एक सड़क हादसा हुआ है। एक बाइक और कार में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक हनी सिंह की मौत हो गई है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, बुधवार की दोपहर अकलतरा के जनपद पंचायत के पास कार और बाइक में जोरदार भिड़ंत हो गई।

इस घटना में गंभीर रूप से घायल बाइक सवार युवक को इलाज के लिए 108 एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकलतरा में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टर पर गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इलाज में लापरवाही बरती गई, जिसके कारण युवक की जान चली गई। फिलहाल, अकलतरा थाना पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

तेज रफ्तार ट्रक डिवाइडर से टकराया, कोई हताहत नहीं

कांकेर। चारामा थाना क्षेत्र अंर्तगत जैसाकर्रा के पास बुधवार सुबह 4 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक डिवाइडर से टकरा गया, हालाकि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार नारायणपुर से रायपुर जा रहे ट्रक एक बस को ओवरटेक करने के दौरान अनियंत्रित होकर ट्रक डिवाइडर से टकरा गया। नेशनल हाईवे-30 पर अबादी क्षेत्र के पास बने डिवाईडर के पास अक्सर वाहनों के द्वार ओवरटेक करने के दौरान अचानक से सामने डिवाईडर दिखता तब तक बहुत देर हो चुकी होती है और वाहन डिवाईडर से टकरा जाते हैं।लोगों का कहना है कि इन डिवाईडरों पर दूर से दिखने वाले स्पष्ट संकेत का नही होना भी दुर्घटना का कारण बन रहा है। नेशनल हाईवे-30 पर इस तरह के लगभग सभी डिवाईडर दुर्घटना से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिसे सुधारा भी नही जा रहा है, इससे और भी दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। ट्रक कंडक्टर के अनुसार वाहन डिवाइडर पर चढ़ गया और लगभग 20 मीटर तक इसी स्थिति में चलता रहा।

अकउंटेंट गिरफ्तारः दिव्यांग शिक्षक से मांगी थी रिश्वत

कोंडागांव। कोंडागांव जिले में एंटी करप्शन टीम ने समग्र शिक्षा कार्यालय के प्रभारी लेखापाल को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। आरोपी ने पदस्थापना के नाम पर एक दिव्यांग शिक्षक से 30 हजार रुपये की मांग की थी।

मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षा विभाग के एकाउंटेट अरूण कुमार सेठिया ने एक दृष्टिबाधित शिक्षक दिलीप कुमार से पदस्थापना के नाम पर 30 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। दिलीप कुमार ने एसीबी से इसकी शिकायत की। इसके बाद टीम ने आरोपी अरुण कुमार को 20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। फिलहाल टीम आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

बिल्डर से पत्नी के साथ अवैध संबंध का था शक, डराने के लिए किया कार में विस्फोट

यूट्यूब देखकर सीखा था रिमोट बम बनाना, पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कोहका कुरुद रोड पर मंगलवार की शाम को कार में ब्लास्ट के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को शक था कि बिल्डर का उसकी पत्नी से अवैध संबंध है। इसे पकड़ने के लिए उसने मोबाइल में फ्लैश टैग एप डाउनलोड किया। इसके बाद उसने यू-ट्यूब से ही बम बनाना सीखा और रिमोट बम बना दिया। इसके बाद मंगलवार की रात को बिल्डर के ऑफिस के बाहर खड़ी कार के नीचे लगाकर उड़ा दिया। इस पूरे मामले का एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने आज खुलासा किया।

बता दें इस मामले में संजय बुंदेला पिता निर्मल बुंदेला निवासी जवाहर नगर भिलाई ने सूचना दी थी। कौशल बिल्डकॉन का ऑफिस इंदू आईटी स्कूल के पास स्थित है। मंगलवार शाम 6 बजे के आसपास आफिस के सामने खड़ी कार डस्टर सीजी 07 एवी 9990 को किसी विस्फोटक वस्तु से विस्फोट कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। इस मामले में स्मृति नगर पुलिस ने धारा 324(5) भारतीय न्याय संहिता, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 की धारा 3 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसपी के निर्देश पर थाना सुपेला, स्मृति नगर चौकी व एसीसीयू की टीम बनाई गई। टीम ने इस मामले में त्वरित कारवाई करते हुए आसपास के सीसी टीवी फुटेज खंगाले। ऑफिस में काम करने वालों से पूछताछ की गई। पुरानी दुश्मनी व रंजिश रखने वालों के बारे में पता लगाया गया। सीसीटीवी फुटेज में प्राप्त विडियो के आधार पर संदेही के कद काठी, हुलिया कौशल बिल्डकॉन ऑफिस में कार्यरत अस्सिटेंट मैनेजर पूजा सिंह के पति से मिलता झुलता पाया गया।

इसके बाद पुलिस ने पूजा सिंह के पति देवेन्द्र सिंह को पुलिस अभिरक्षा में पूछताछ की। पूछताछ में पहले तो उसने गोल मोल जवाब दिया लेकिन बारीकी से पूछताछ करने पर उसने सच्चाई बता दी। आरोपी ने बताया कि उसे शक था कि संजय बुंदेला के साथ उसकी पत्नी के अवैध संबंध हैं। शंक होने पर अपने मोबाइल पर फ्लैश टैग एप डाउनलोड कर पत्नी के मोबाइल में इंस्टाल किया। इसके माध्यम से वह दोनों की बात सुनने लगा। उसे पूरा शक था कि उसकी पत्नी का संजय बुंदेला से अवैश संबंध है।

देवेन्द्र सिंह संजय बुंदेला को डाराना चाहता था। इसके लिए उसने बच्चों के खिलौने वाले रिमोट से यू ट्यूब देखकर टाईगर बम्ब का इस्तेमाल करते हुए रिमोट बम बनाया। इसके बाद मंगलवार को संजय बुंदेला की डस्टर गाडी को ब्लास्ट कर क्षतिग्रस्त कर दिया। आरोपी को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार किया और न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया। आरोपी के पास से स्कूटी, पांच हजार कैश व मोबाइल जब्त किया गया।

इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक राजेश मिश्रा थाना प्रभारी सुपेला, उप निरीक्षक गुरूविन्दर सिंह संधु चौकी प्रभारी स्मृति नगर, प्रधान आरक्षक राधेश्याम चंद्राकर, पंकज चौबे कमल नारायण, हर्षित शुक्ला, तुषार, सविन्दर सिंह, कौशलेन्द्र सिंह, गोविन्द साहू की कार्यवाही में सराहनीय योगदान रहा।

सशख्त एप से चोरी के वाहनों की तलाश हुई आसान, चोरी हुए दो वाहन बरामद

एप लॉन्च होने के बाद से अब तक कुल12 चोरी के वाहनों की बरामदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ सरकार की पहल पर दुर्ग जिले में स्मार्ट पुलिसिंग बढ़ावा देने सशक्त एप लॉन्च किया गया था। वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग द्वारा चोरी हुए वाहनों की जानकारी व बरामदगी के लिए सशक्त एप को विकसित किया है। इस एप का उद्देश्य चोरी हुए वाहनों की जल्द पहचान और बरामदगी करना है। इस ऐप की मदद से चोरी के वाहनों की तलाश आसान हो गई है। इसी कड़ी में सुपेला पुलिस ने चोरी के दो वाहन बरामद किए हैं।

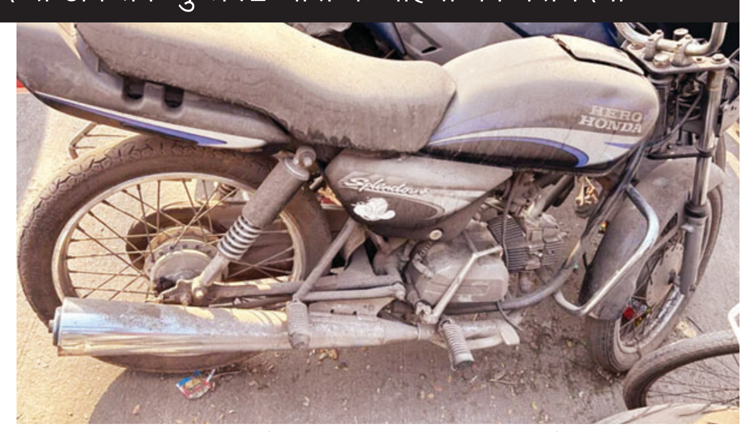

मंगलवार को सुपेला थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश मिश्रा की पैट्रोलिंग टीम जिसमे आरक्षक सूर्या प्रताप सिंह और दुर्गेश सिंह ने पेट्रोलिंग के दौरान संदिग्ध वाहनों की जांच की। इस दौरान फरीद नगर ग्राउंड के पास संदिग्ध रूप से खड़ी एक्टिवा के इंजन व चेसिस नंबर को सशक्त एप में चेक किया गया। यह वाहन पदमनाभपुर थाना क्षेत्र से चोरी हुआ पाया गया और इसे तुरंत बरामद किया गया। साथ ही मिलन चौक के पास बिना नंबर प्लेट की खड़ी एक स्प्लेंडर बाइक के इंजन व चेसिस नंबर को जांचने पर वह सुपेला थाना क्षेत्र से चोरी हुई पाई गई। इसे भी बरामद कर लिया गया।

सशक्त एप लॉन्च होने के बाद से अब तक दुर्ग जिले में कुल 12 चोरी हुए वाहनों को बरामद किया जा चुका है। इस एप से पुलिसिंग कार्य में तेजी आई है एवं कार्यकुशलता बढ़ी है। जिला दुर्ग में अभी तक सशक्त एप को कुल 800 से ज्यादा अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा उपयोग किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन अभियान चलाया जाकर चोरी हुए वाहन को ढूंढने में यह एप मददगार साबित हुआ है। सशक्त एप के माध्यम से चोरी हुए वाहनों की त्वरित पहचान और बरामदगी से पुलिस कार्यवाही पहले से अधिक सटीक, तेज और प्रभावी हो गई है।

सुपेला घड़ी चौक से स्टीप्स क्वाईल से भरी ट्रक पार, कबाड़ी को बेचने के चक्कर में धराया चोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला घड़ी चौक से स्टीप्स क्वाईल से भरी ट्रक चोरी का मामला सामने आया। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल आरोपी ट्रक से निकालकर स्टीप्स क्वाईल बेचने बिलासपुर रोड पर उरला में कबाड़ी के पास बेचने गया था। इस दौरान पुलिस की घेराबंदी में फंस गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के ट्रक को स्टीप्स क्वाईल के साथ बरामद कर दिया है।

यह घटना 27-28 जनवरी की दरमियानी रात की है। आधी रात के बाद 2:30 बजे घडी चौक के सामने ओव्हर ब्रीज के नीचे लक्ष्मी मेडिकल के आगे आम मुख्य मार्ग डुगेश्वर साहू ने लोड ट्रक पार्क किया और शांति नगर अपने घर चला गया। दूसरे दिन सुबह पहुंचा तो गाड़ी वहां खड़ी नहीं थी। इस मामले में धारा 305(बी) भा0न0स0 कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस को पता चला किया ट्रक को राजीव कुमार सिंह नाम के शख्स ने चुराया है।

राजीव कुमार सिंह ट्रक क्रमॉक सीजी 07 एन ए 5125 के पीछे डाला मे भरी 25.510मिट्रीक टन स्टीप्स क्वाईल किमती 12 लाख 89 हजार 567 रुपए के साथ ट्रक को चुराया। बिलासपुर रोड उरला क्षेत्र के कबाडी हरीचरण सिंह के कबाडी गोदाम में 1 नग लोहे के स्ट्रीप्स क्वाईल वजनी करीब 2 टन बेचने गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी कर जेवरा सिरसा निवासी राजीव कुमार सिंह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से ट्रक को बरामद किया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला निरीक्षक राजेश मिश्रा, एएसआई राघवेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक मनीष अग्नीहोत्री, सुबोध सिंह एवं एसीसीयु से एएसआई पूर्ण बहादुर, आरक्षक भवेश पटेल, जुगनु सिंह का विशेष योगदान रहा।

नारायणपुर में 29 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, सीएम साय बोले- सरकार की नीति से प्रभावित हो रहे नक्सली

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। नारायणपुर जिले में 29 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पित माओवादियों में 22 पुरूष व 07 महिला नक्सली शामिल हैं जो क्षेत्र में सक्रिय रूप से नक्सलियों के लिए काम करते थे। आत्मसमर्पण से नक्सलियों को बड़ा झटका लगा है। नक्सलियों के आत्मसमर्पण पर सीएम साय ने कहा कि सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं।

नारायणपुर पुलिस ने बताया कि वर्ष 2024 से अब तक 71 से अधिक बड़े-छोटे कैडर के माओवादी का आत्मसमर्पण किए हैं। 60 से अधिक नक्सलियों का मारा जाना व 50 नक्सलियों का गिरफ्तार होने के परिणामस्वरूप नक्सली संगठन कमजोर होते जा रहा है। आत्मसमर्पण करने पर सभी नक्सली को प्रोत्साहन राशि 25 हजार का चेक प्रदान किया गया एवं उन्हें नक्सल उन्मुलन नीति के तहत् मिलने वाली सभी प्रकार की सुविधाएं दिलाया जायेगा। इतनी अधिक संख्या में नक्सलियों के आत्मसमपर्ण के पीछे माड़ और नारायणपुर जिले में चलाये जा रहे विकास कार्य बड़ा कारण रहा हैं। तेजी से बनती सड़के गांव तक पहुंचती विभिन्न सुविधिाओं ने इन्हें प्रभावित किया है। आत्मसमर्पित नक्सलियों में जनताना सरकार, मिलिशिया, सीएनएम, कृषि सदस्य, पंचायत सरकार अध्यक्ष/सदस्य शामिल है।

सीएम साय ने कहा कि नक्सल विचारधारा से क्षुब्ध और छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर नारायणपुर जिले के 29 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। इस महत्वपूर्ण सफलता में जिले में चलाये जा रहे आत्मसमर्पण नीति ''माड़ बचाओ अभियान'' की भी बड़ी भूमिका रही है। नक्सलवाद के काले साये से रक्षा के लिए हमारी सरकार हर संभव और हर स्तर पर लड़ाई लड़ रही है। इसके कुचक्र में फंसे लोग अब पुनः समाज की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं, जो स्वागतेय है। हमारी सरकार, नक्सलवाद का दामन छोड़ मुख्यधारा में आने वाले इन लोगों के पुनरुत्थान के लिए तत्पर है। बस्तर संभाग के सुदूर अंचलों में हमारी सरकार द्वारा लगातार नए सुरक्षा कैंप स्थापित करने, नियद नेल्ला नार योजना से सड़क निर्माण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से लोगों का सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है।

3 लाख के इनामी 3 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। नक्सल उन्मूलन अभियान लोन वर्राटू (घर वापस आईए. लोन वर्राटू अभियान) के तहत 3 लाख के इनामी तीन नक्स्लियों जिसमें नेलनार एलओएस सदस्य रामबती कुंजाम ईनामी 2 लाख, दरभा डिवीजन डीवीसीएम सुरक्षा दलम का सदस्य और सेक्शन डिप्टी कमांडर कुमारी मासे माड़वी ईनामी 1 लाख एवं आरपीसी जनताना सरकार का अध्यक्ष देवा उर्फ नरेश ने आत्मसमर्पण कर दिया है।

दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से चलाई जा रही आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को 25 हजार की सहायता राशि दी जा रही है। इसके साथ ही बाकी अन्य सुविधाओं के अलावे हर महीने 10 हजार की आर्थिक मदद आत्मसमर्पित नक्सलियों को मिल रही है। उन्होने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों को तीन वर्ष तक मुफ्त आवास और भोजन की सुविधा के साथ स्किल डवलपेंट, के साथ कृषि योग्य भूमि भी दी जा रही है। उन्होने बताया कि लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 212 नक्सलियों सहित कुल 892 नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं।

नाबालिग से करता था अश्लील वीडियो की डिमांड, अब आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की से अश्लील वीडियो डिमांड करने का मामला सामने आया है। युवक ने पहचान का फायदा उठाकर नाबालिग से अश्लील वीडियो वाट्सएप पर मांगी। नाबालिग ने इसकी जानकारी पिता का दी तो वे थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा धारा क्र 351 (3) 74,67, बीएनएस 8, 12 पास्को एक्ट के तहत कार्रवाई की।

दरअसल इस मामले में प्रार्थी ने 28 जनवरी को थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। प्रार्थी ने बताया कि अनुज नामक व्यक्ति के द्वारा उसकी नाबालिग बेटी से छेडछाड कर मोबाइल पर अश्लील विडियो की डिमांड की। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। एसपी के निर्देश व एएसपी सुखनंदन राठौर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अंबर सिंह भारद्वाज द्वारा आरोपी की पतासाजी शुरू की। घटना के बाद पुलिस ने रामचंद्र होटल के पास रहने वाले अनुज नाम के युवक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि मंगलवार को नाबालिक से उसका आपत्तीजनक विडियो बनाकर फोन नंबर 7047164393 पर वाट्सएप करने कहा। इसके बाद पुलिस ने आरोपी अनुज निवासी खुर्सीपार को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेजा।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

आदिवासी ही सबसे बड़ा हिंदू है, जनजातीय समाज को विधर्मियों से सचेत रहने की जरूरतः साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। जिले के बोड़ला में आयोजित विराट हिंदू संगम में बुधवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विधर्मियों और विदेशी ताकतों द्वारा जनजातीय समाज के लोगों को सनातन धर्म से अलग करने का काम किया जा रहा है। जनजातीय समाज को इससे सचेत रहने की जरूरत है। आदिवासी ही सबसे बड़ा हिंदू है, जो आदिकाल से भगवान शिव-माता पार्वती की पूजा करते आ रहे हैं, पेड़-पौधे की पूजा करते आ रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर यज्ञ में हवन-पूजन कर समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की, साथ ही संत समाज का आशीर्वाद लिया। सीएम साय ने कहा कि हम लोग कर्मा पूजा करते हैं, कर्मा पूजा को भगवान मानते हैं। हमारी माता-बहनें उपवास रहती हैं, पेड़-पौधे की पूजा करती हैं। जो प्रकृति, पेड़-पौधे, भगवान शिव-माता पार्वती, गौरा-गौरी की पूजा करते हैं, उससे बड़ा हिंदू और कौन हो सकता है। इसलिए हमारे सनातन धर्म को आगे बढ़ाना है, विधर्मियों के बहकावे में नहीं आना है।

विष्णु देव साय ने कहा कि बोड़ला में इस विराट हिंदू संगम की शुरुआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूज्य सरसंघचालक मोहन भागवत ने की थी और पिछले 13 वर्षों से इसका आयोजन हो रहा है, आज यहाँ उपस्थित होकर गर्वित महसूस कर रहा हूँ। उन्होंने सर्व हिंदू समाज को जोड़ने, उन्हें सशक्त बनाने के लिए आयोजित इस आयोजन पर समिति के सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया। राजिम कुम्भ कल्प के भव्य आयोजन के विषय में सीएम साय ने कहा कि पिछले वर्ष से हमने धर्मनगरी राजिम में कुम्भ कल्प का भव्य आयोजन प्रारंभ किया है। इस वर्ष भी यह आयोजन दिव्य होगा। इस कुम्भ कल्प में साधू-संत और श्रद्धालु आते हैं और सनातन धर्म को मजबूती मिलती है।

पांच दिवसीय इस हिंदू संगम के समापन समारोह में मुख्यमंत्री साय ने हवन-पूजन के पश्चात आयोजन समिति के सदस्यों और जनजातीय समाज के लोगों संग पारंपरिक रीति से जमीन पर बैठकर भोजन-प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर संत श्रीराम बालकदास जी महात्यागी, संत रामानंद सरस्वती, आचार्य राकेश जी, संत प्रवीणदास जी महाराज, संत दिवाकर दास जी महाराज, संत ओंकार दास जी महाराज, संघ के प्रांत संचालक टोपलाल वर्मा जी, अभयराम जी, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रशेखर वर्मा, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय जी, राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय, त्रिपुरा की सांसद कीर्तिदेवी सिंह जी, विधायक भावना बोहरा एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने माखनलाल चतुर्वेदी की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुप्रसिद्ध कवि और लेखक 'पद्मभूषण' माखनलाल चतुर्वेदी की 30 जनवरी को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। श्री साय ने माखनलाल चतुर्वेदी की रचनाओं को याद करते हुए कहा कि माखनलाल जी ने अपनी प्रभावशाली लेखनी से लोगों में राष्ट्र प्रेम की भावना को जागृत किया और उन्हें आजादी की लड़ाई में सक्रिय सहयोग के लिए प्रेरित किया। उनकी रचनाओं में प्रकृति प्रेम के साथ त्याग, बलिदान और देश भक्ति का अनूठा संगम दिखाई देता है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बिलासपुर के सेन्ट्रल जेल में 'पुष्प की अभिलाषा' लिखी जो बहुत लोकप्रिय रचना है। श्री साय ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी जी का साहित्य और देश के लिए अमूल्य योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महात्मा गांधी की 30 जनवरी को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। श्री साय ने महात्मा गांधी सहित देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा है कि शहीद दिवस उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों को याद करने का अवसर है, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। इन वीर बलिदानियों का ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता। भारत की आजादी के लिए महात्मा गांधी जी के अतुलनीय योगदान को याद करते हुए साय ने कहा कि गांधीजी ने सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के माध्यम से भारत को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गांधी जी के विचार आज भी दुनिया भर के लोगों को प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हम सभी गांधी जी के बताए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने का प्रण लें और राष्ट्र के विकास में योगदान दें।

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों को गुप्त नवरात्रि की दी बधाई...

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को गुप्त नवरात्रि की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर श्री साय ने मां दुर्गा से प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की है।

कृषि विश्वविद्यालय का दशम् दीक्षांत समारोह 1 फरवरी को

चार हजार से अधिक विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी, मेधावी विद्यार्थियों को 16 स्वर्ण, 18 रजत एवं 4 कांस्य पदक भी प्रदान किए जाएंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर का दशम् दीक्षांत समारोह कल 1 फरवरी, 2025 को आयोजित किया जाएगा। कृषि महाविद्यालय रायपुर स्थित कृषि मंडपम में प्रातः 11 बजे से आयोजित इस दीक्षांत समारोह में लगभग 4 हजार 191 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएगी।

दीक्षांत समारोह राज्यपाल एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रमेन डेका की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एण्ड बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ. वांगा शिवा रेड्डी दीक्षांत उद्बोधन देंगे। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल विद्यार्थियों को दीक्षोपदेश देंगे। दीक्षांत समारोह के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को 16 स्वर्ण, 18 रजत एवं 24 कांस्य पदक प्रदान किये जाएंगे। इस दौरान भव्य दीक्षांत शोभायात्रा भी निकाली जाएगी।

दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक वर्ष 2022-23 एवं 2023-2024 में कृषि विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पदक एवं उपाधियाँ वितरित की जाएँगी। दीक्षांत समारोह में बी.एस.सी. कृषि पाठ्यक्रम के 2 हजार 841, बी.एस.सी. उद्यानिकी पाठ्यक्रम के 17, बी.टेक. कृषि अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम के 303 तथा खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के 20 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। स्नातकोत्तर स्तर पर 742 एवं पी.एचडी. स्तर पर 268 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इस अवसर पर विभिन्न पाठ्यक्रमों के मेधावी विद्यार्थियों को 16 स्वर्ण, 18 रजत तथा 4 कांस्य पदक भी प्रदान किये जाएंगे। इसके साथ ही दीक्षांत समारोह में 818 विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी.एच.डी. आनर्स प्रमाण पत्र भी प्रदान किये जाएंगे।

दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए अकादमिक परिधान निर्धारित किया गया है। छात्र कोसे रंग अथवा ऑफ वाईट रंग का कुर्ता तथा सफेद पायजामा पहनेंगे, वहीं छात्राएं कोसे रंग या ऑफवाईट रंग की साड़ी पहनेंगी। दीक्षांत समारोह के अतिथि कोसे रंग का जैकेट पहनेंगे।

दीक्षांत समारोह में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, प्रबध मण्डल, विद्या परिषद तथा प्रशासनिक परिषद के सदस्यों सहित विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष भी शामिल होंगे।

बेहतर समाज निर्माण में शिक्षकों की अहम भूमिका : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। आज उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान में वार्षिकोत्सव सत्र 2024-25 का भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर अवनीश शरण एवं विशिष्ट अतिथि संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग रामायण आदित्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मशाल प्रज्वलन, धावक परिक्रमा एवं मशाल स्थापना के साथ हुई, जिसे बीएड प्रशिक्षार्थी रुक्मणी पैकरा एवं चंद्रशेखर सिंह ने संपन्न किया। इसके पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य मीता मुखर्जी सहित प्रशिक्षार्थियों एवं आचार्यों द्वारा मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक पुष्प से अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में संस्थान के प्रशिक्षार्थियों ने मास्टर आफ सेरेमनी करीम खान के नेतृत्व में भव्य मार्च पास्ट प्रस्तुत किया, जिसके उपरांत स्वागत गीत और विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांधा। आकर्षण का केंद्र बस्तरिहा नृत्य कादर के कहवा तथा बिहु नृत्य रहा, जिसमें प्रशिक्षार्थियों ने अपनी अद्भुत प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

महाविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्राचार्य प्रो. मीता मुखर्जी द्वारा प्रस्तुत किया गया, जबकि प्रशिक्षार्थी प्रतिनिधि ऋषभ निषाद एवं छात्रावास प्रतिनिधि युवनाश यादव ने समस्या एवं आवश्यकता से संबंधित मांगपत्र का वाचन किया एवं मांग पत्र सौपा। विशिष्ट अति श्री रामायण आदित्य ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को शिक्षा एवं नैतिक मूल्यों की महत्ता पर बल देते हुए प्रेरणादायी विचार साझा किया। तथा इस अवसर पर कलेक्टर श्री शरण ने प्रशिक्षार्थियों के मांगपत्र पर शीघ्र कार्यवाही करने का आश्वासन दिया एवं प्रशिक्षार्थियों द्वारा किये गये शानदार मार्च-पास्ट एवं बैंड वादन की खूब तारीफ की। कलेक्टर ने प्रशिक्षार्थियों को अपने उद्बोधन से प्रेरित करते हुए अनुशासनबद्ध तरीके से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि बेहतर समाज निर्माण में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है क्योंकि वे आने वाली पीढ़ियों को तैयार करते हैं।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम से देश की अखंडता मजबूत-राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका की अध्यक्षता में राजभवन में यहां 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तहत आंध्रप्रदेश, केरल, उत्तरप्रदेश, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा राज्य एवं दादर एवं नगर हवेली व दमन द्वीव का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर इन राज्यों के लोक नृत्यों की प्रस्तुति भी की गई है। साथ ही छत्तीसगढ़ के पंडवानी गायन और सूफी गायन की प्रस्तुति भी दी गई। राज्यपाल डेका ने इस अवसर पर कहा कि यह कार्यक्रम, भारत में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रहने वाले विविध संस्कृतियों के लोगों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू किया गया है। इसके तहत विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान का आपस में आदान-प्रदान होता है। जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होती है।

राज्यपाल श्री डेका ने इस अवसर पर सभी राज्यों की विशेषताओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश, भारत के सबसे बड़े राज्यों में से एक है। यह भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है। यह हिन्दुओं की प्राचीन सभ्यता का उद्गम स्थल है। भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया और बौद्ध धर्म की नींव रखी। अभी प्रयागराज में महाकुंभ चल रहा है। यह विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है। महाकुंभ के दौरान करोड़ों श्रद्धालु, साधु-संत और विद्वान एकत्रित होते हैं। यह आयोजन वेदों और पुराणों में वर्णित पवित्रता और मोक्ष का प्रतीक है। उत्तरप्रदेश, की सांस्कृतिक धरोहर, इस राज्य को एक सशक्त राज्य बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। महाकुंभ जैसे आयोजनों की सफलता यह दर्शाती है कि उत्तरप्रदेश न केवल भारत की आस्था का केंद्र है बल्कि विश्व के मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बना रहा है।

आंध्रप्रदेश ने कृषि, उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन और शैक्षणिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आंध्रप्रदेश की लगभग 60 प्रतिशत आबादी कृषि और संबंधित गतिविधियों में लगी हुई है। आंध्रप्रदेश, घरेलू पर्यटकों के बीच एक लोकप्रिय गंतव्य है। विशेष रूप से तिरूपति बालाजी मंदिर, हिंदू पौराणिक कथाओं के सबसे महत्वपूर्ण स्थलों में से एक है।

राज्यपाल ने कहा कि केरल अपनी शैक्षणिक उन्नति, स्वास्थ्य सेवाओं, साहित्य, कला, सांस्कृतिक विरासत और सुंदर समुद्री तटों के लिए पूरे विश्व में एक मिसाल बन चुका है। साक्षरता दर, स्वास्थ्य सूचकांक और लैंगिक समानता में केरल पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। प्राचीन काल में हमारी कई सभ्यताएं मातृप्रधान रही है। लेकिन वर्तमान में मेघालय एक ऐसा राज्य है जहां की मुख्य जनजातियां मातृवंशीय प्रणाली का अनुसरण करती है और यहां विरासत तथा वंश महिलाओं से चलता है। मेघालय के ग्रामीण जीवन में पर्वतीय जीवन शैली के दर्शन होते हैं। पर्यटन की दृष्टि से यह राज्य महत्वपूर्ण है। यहां विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र मौसिनराम है।

उन्होंने कहा कि मणिपुर शाब्दिक अर्थो में आभूषणों की भूमि है। यहां के लोग संगीत तथा कला में बड़े प्रवीण होने के साथ-साथ सृजनशील होते हैं जो उनकी हथकरघा, दस्तकारी के उत्पादों में झलकती है। मणिपुर देश का आर्किड टोकरी है, यहां आर्किड पुष्प की 500 प्रजातियाँ पाई जाती है। प्राकृतिक छटा से भरपूर यह राज्य पर्यटकों के लिए स्वर्ग हैं। राज्यपाल ने कहा कि त्रिपुरा का उल्लेख महाभारत, पुराणों तथा अशोक के शिलालेख में मिलता है। इस राज्य की अपनी अनोखी जनजातीय संस्कृति है। देवी त्रिपुर सुंदरी का प्रसिद्ध शक्तिपीठ भक्तो की आस्था का केंद्र है। दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन दीव इन दो केंद्र शासित प्रदेशों के विलय के बाद यहां विकास की नई संभावनाएं खुली हैं। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि युवाओं को अपने प्रदेशों की सांस्कृतिक धरोहर को सम्मानित एवं संरक्षित करना चाहिए और उस पर गर्व करना चाहिए।

कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश राज्य के प्रतिनिधि जी स्वामी, केरल के प्रतिनिधि विनोद पिल्ले, उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधि प्रतीक पाण्डेय, त्रिपुरा की प्रतिनिधि संगीता ने राज्यपाल को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। राज्यपाल द्वारा भी इन को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री से पुरूस्कृत द्वय उषा बारले ने पंडवानी गायन की और मदन चौहान ने सूफी गायन की शानदार प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ सी.आर. प्रसन्ना, संयुक्त सचिव हिना नेताम, इन सभी राज्यों के छत्तीसगढ़ में निवासरत युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950